भाद्रपद शुक्ल - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 33 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 25-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारतीय क्रिकेट में धैर्य और एकाग्रता की प्रतिमूर्ति रहे हैं पुजारा

6 हरतालिका तीज : स्त्रियों की आस्था एवं संकल्प का पर्व

7 मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने फिल्म सेट से दिया हिंट

फर्स्ट टेक

नाइजीरियाई सेना ने हवाई हमला करके बच्चों सहित 76 बंधकों को मुक्त कराया

अबूजा (नाइजीरिया)/एपी। नाइजीरिया की सेना ने देश के उत्तर-पश्चिम में आतंकवादियों पर सटीक हवाई हमले करके बच्चों समेत कम से कम 76 बंधकों को उनके चंगुल से मुक्त करा लिया है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य के आंतरिक सुरक्षा आयुक्त नासिर मुअजू ने एक बयान में बताया कि शनिवार तड़के कटसीना राज्य के कंकारा इलाके में स्थित पाउवा हिल के आसपास के ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। यह हवाई हमला एक कुख्यात अपहरणकर्ता की तलाश में किया गया। आयुक्त ने बताया कि बचाए गए बंधकों में वे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें उन्गुवान मंतौ की एक मस्जिद पर हुए हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के समक्ष 1971 के युद्ध से जुड़े लंबित मुद्दे उठाए

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने रविवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के समक्ष 1971 के युद्ध के लिए माफी मांगने समेत लंबित मुद्दों को उठाया। डार 2012 के बाद से ढाका का दौरा करने वाले पाकिस्तान के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। डार बांग्लादेश की दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार को ढाका पहुंचे थे। उनका उद्देश्य लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना के पद से हटने के बाद बांग्लादेश के साथ संबंधों को फिर से बेहतर बनाना है। डार ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश सलाहकार एम तौहीद हुसैन के साथ बातचीत की। तौहीद हुसैन ने डार के साथ मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमने अनसुलझे मुद्दे उठाए हैं, जैसे 1971 के लिए माफी या खेद व्यक्त करना, संपत्तियों पर दावा, तथा फंसे हुए पाकिस्तानी नागरिकों का मामला।''

इसरो ने गगनयान पैराशूट प्रणाली के लिए पहला 'एयर-ड्रॉप' परीक्षण पूरा किया

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आगामी गगनयान मिशन के लिए पैराशूट आधारित गति धीमी करने से संबंधित प्रणाली को परखने के लिए रविवार को पहला एकीकृत 'एयर ड्रॉप' परीक्षण (आईएडीटी-01) सफलतापूर्वक किया। इसरो के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह परीक्षण आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के निकट किया गया। यह अभ्यास इसरो, भारतीय वायु सेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

25-08-2025 सूर्यास्त 6:24 बजे | 26-08-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
81,306.85	24,870.10
(-693.86)	(-213.65)

सोना	चांदी
10,418 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बहरूपिए

जय लिंगायत जय भीम कभी,
जय जय श्री राम लगा नारे।
जय शिव भोले जय जिनवाणी,
'धन निरंकार' धुन उच्चारे।
चादरें चढ़ा पूजा करते,
टोपी पगड़ी सब स्वीकारे।
वोटों खातिर बहरुपियों ने,
देखो कितने बानक धारे।।

रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने पर सरकार का ध्यान : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- स्किल इंडिया मिशन के तहत करोड़ों युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति के रूप में तैयार किया जा रहा है।
- सरकार का ध्यान 'स्टार्ट अप इंडिया' और मुद्रा योजना के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर पैदा करने पर है।

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार का ध्यान युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने पर है। मोदी ने अहमदाबाद में एक कार्यक्रम को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए युवाओं से स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के देश के प्रयासों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल 'ऑपरेशन सिंदूर' ही देशभक्ति नहीं है, बल्कि उन्होंने व्यापारियों से केवल स्वदेशी वस्तुएं बेचने का निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने कहा, ''हमने 'स्किल इंडिया मिशन' शुरू किया, जिसके तहत करोड़ों युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति के रूप में तैयार किया जा रहा है। आज दुनिया का एक बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने की समस्या में फंसा हुआ है; उन्हें युवाओं की जरूरत है और भारत में दुनिया को युवा देने की क्षमता है।''

मोदी ने अहमदाबाद के सरदारधाम फेज-11 में एक बालिका छात्रावास का शिलान्यास करने के बाद कहा, ''अगर आज युवा कुशल हैं, तो उनके लिए रोजगार की अनेक संभावनाएं हैं। वे आत्मनिर्भर बनते हैं, इससे उन्हें शक्ति मिलती है।'' उन्होंने बेटियों की प्रगति में समाज के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में कई बदलाव किए हैं, जिसमें कौशल पर सबसे अधिक जोर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का ध्यान 'स्टार्ट अप इंडिया' और मुद्रा योजना के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर पैदा करने पर है। उन्होंने कहा, ''आज भारत में 'स्टार्टअप' की संख्या दो लाख के करीब पहुंच गई है। हमने मुद्रा योजना शुरू की। इसके तहत युवाओं को स्वरोजगार के लिए 33 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे लाखों युवा आत्मनिर्भर बन चुके हैं और दूसरों को भी आत्मनिर्भर बना रहे हैं।''

मोदी ने कहा कि दुनिया भारत के श्रम के साथ-साथ उसकी प्रतिभा को भी महत्व देती है और उसकी अहमियत को समझती है, जिससे विभिन्न देशों में नए अवसर पैदा हुए हैं।

लोकतंत्र में सार्थक बहस और चर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- विरोध के नाम पर पूरे सत्र को बाधित करने की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है।
- बहस रचनात्मक संवाद के माध्यम से होनी चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए कार्यवाही में बाधा डालकर।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एक स्वस्थ लोकतंत्र में सार्थक बहस और चर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि जनता की चिंताओं के समाधान के लिए विचार-विमर्श सबसे अच्छा माध्यम है।

दिल्ली विधानसभा में आयोजित ' ऑल इंडिया स्पीकर्स कांफ्रेंस' कार्यक्रम में बोलते हुए श्री शाह ने कहा, अगर संसद या विधानसभाओं में बहस नहीं होगी, तो ये इमारतें बेजान हो जाएंगी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सदन के अध्यक्ष के नेतृत्व में और सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से, ये संस्थाएं जीवंत बनती हैं और राष्ट्र तथा राज्यों के हितों की सेवा करने में सक्षम बनती हैं। उन्होंने संसदीय विपक्ष में संयम बरतने का भी आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र में प्रतीकात्मक विरोध का अपना स्थान है, लेकिन विरोध के नाम पर पूरे सत्र को बाधित करने की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है।

शाह ने कहा, सदन में विपक्ष को संयम से काम लेना चाहिए। प्रतीकात्मक विरोध का भी अपना स्थान है, लेकिन विरोध के बहाने पूरे सत्र को बाधित करने की परंपरा बनाना नागरिकों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए चिंतन का विषय है। क्योंकि जब चर्चा समाप्त हो जाती है, तो राष्ट्रीय विकास में सदन का योगदान न्यूनतम हो जाता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि बहस रचनात्मक संवाद के माध्यम से होनी चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए कार्यवाही में बाधा डालकर। उन्होंने कहा, जब राजनीतिक स्वार्थों के कारण संसद और विधानसभाओं को चलने से रोका जाता है, तो वास्तविक बहस नहीं हो पाती।

केंद्रीय गृहमंत्री ने भी केंद्रीय विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल के योगदान की प्रशंसा की और भारत की विधायी परंपराओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं को आकार देने में उनकी अनुकरणीय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, विधानसभा अध्यक्ष का पद अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गगनयान मिशन आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में नए अध्याय का प्रतीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और अन्य तीन चुने गए गगनयात्रियों को देश के ''रत्न'' एवं राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अग्रदूत करार देते हुए रविवार को कहा कि गगनयान मिशन आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में एक ''नए अध्याय'' का प्रतीक है।

सिंह ने यहां सुब्रतो पार्क में भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में चार गगनयात्रियों को सम्मानित किया। यह समारोह 'एक्सिओम 4' मिशन की सफलता के बाद आयोजित किया गया है जिसमें शुक्ला भी शामिल थे और उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

सिंह ने कहा, हम अंतरिक्ष को केवल अनुसंधान के क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि कल की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, ऊर्जा एवं मानवता के भविष्य के रूप में भी देखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत पृथ्वी की सतह से आगे बढ़कर ''अंतरिक्ष के नए क्षेत्रों'' की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा, हम चंद्रमा से लेकर मंगल तक अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं और आज देश गगनयान जैसे अभियानों के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने इस उपलब्धि को न केवल प्रौद्योगिकी की दृष्टि से मील का पत्थर बताया, बल्कि ऐसे समय में ''आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक नया अध्याय बताया, जब हम दुनिया की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों के बीच गर्व से खड़े हैं।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल प्रयोगशालाओं और प्रक्षेपण यानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ''हमारी राष्ट्रीय आकांक्षाओं एवं वैश्विक दृष्टिकोण का प्रतिबिंब'' है। उन्होंने कहा, चंद्रयान से लेकर मंगलयान तक हमने यह दिखाया है कि सीमित संसाधनों के साथ भी असीमित इच्छाशक्ति सबसे चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को उल्लेखनीय उपलब्धियों में बदल सकती है।

'भारत का लक्ष्य 2047 तक दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होना'

अहमदाबाद/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होना है। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेल क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस क्षेत्र में कई सुधार किए गए हैं। मांडविया ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के दौरान कहा, ''प्रधानमंत्री ने अगले 10 वर्षों में देश को दुनिया के शीर्ष 10 खेलों में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। हमने 2036 में ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश की है। 2047 में हम अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएंगे और प्रधानमंत्री मोदी ने तब तक खेलों की दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है।'' उन्होंने कहा, ''खेलों में एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए, देश को खेलों में प्रगति दिलाने के लिए हमने एक योजना 'टारगेट पोडियम ओलंपिक' बनाई।

भारत ने एकीकृत हवाई रक्षा प्रणाली का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर अपनी बढ़ती सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए ओडिशा तट से एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार आईएडीडब्ल्यूएस एक बहुस्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली है जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया वाली सतह से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल (क्यूआरएसएएम), बहुत कम दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) मिसाइल और उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार (डीईडब्ल्यू) प्रणाली शामिल हैं। स्वदेशी हवाई रक्षा प्रणाली का शनिवार 12:30 बजे ओडिशा तट से उड़ान परीक्षण किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उड़ान परीक्षणों के लिए आईएडीडब्ल्यूएस को विकसित करने वालों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सशस्त्र बलों को बधाई दी। नई हवाई रक्षा प्रणाली का उड़ान परीक्षण ऑपरेशन सिंदूर के साढ़े तीन महीने बाद हुआ है।

केंद्र की अक्षमता छिपाने के लिए शाह ने न्यायमूर्ति रेड्डी पर निशाना साधा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- जब भाजपा संविधान को ''नुकसान पहुंचाने'' की कोशिश कर रही है, तब संविधान की रक्षा के लिए उनकी (रेड्डी) जरूरत है।

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी सुदर्शन रेड्डी पर नक्सलवाद को लेकर निशाना साधने के लिए रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की। स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र नक्सलवाद को समाप्त नहीं कर सका और अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए शाह ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रेड्डी को ''नक्सल'' करार दिया।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रेड्डी का समर्थन करने के लिए विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं, तमिलनाडु से लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों की एक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए पूरी तरह से योग्य उम्मीदवार हैं।

स्टालिन ने कहा कि न केवल 'इंडि' गठबंधन के घटक दल, बल्कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में केवल रेड्डी को ही स्वीकार किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के कानूनी और न्यायिक करियर को रेखांकित करते हुए स्टालिन ने कहा कि रेड्डी ने अपना जीवन कानून और न्याय के लिए समर्पित कर दिया और संविधान की गरिमा को बनाए रखा। मुख्यमंत्री ने पूछा, ''आज उनकी जरूरत क्यों है?'' और उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जब भाजपा संविधान को ''नुकसान पहुंचाने'' की कोशिश कर रही है, तब संविधान की रक्षा के लिए उनकी (रेड्डी) जरूरत है।

हूती विद्रोहियों को निशाना बनाते हुए

इजराइल ने किए यमन की राजधानी में हवाई हमलें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काहिरा/एपी। यमन की राजधानी सना में रविवार तड़के इजराइली हवाई हमले हुए। स्थानीय मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। खबर के अनुसार, ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा इजराइल पर क्लस्टर बम दागे जाने के कुछ ही दिन बाद इजराइल का यह हमला हुआ है। हूती मीडिया कार्यालय ने बताया कि सना के बिजलीघर और गैस स्टेशन समेत कई इलाकों को निशाना बनाया गया। निवासियों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन के पास समेत कई इलाकों में धमाकों की तेज आवाज़ें सुनी गईं। विद्रोहियों के कब्जे वाले सना पर एक सप्ताह पहले किए गए हमले के वक्त इजराइल ने कहा था कि हमलों में ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया गया, जिसके बारे में माना जाता है कि इसका इस्तेमाल विद्रोहियों द्वारा किया जाता था। इजराइल ने रविवार के हमले की पुष्टि नहीं की।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने 22 महीनों से भी ज़्यादा समय से इजराइल पर मिसाइल और ड्रोन दागे हैं तथा लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाया है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे गाज़ा पट्टी में युद्ध के बीच फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए ये हमले कर रहे हैं।

यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरियों पर हमले तेज़ किए

कीव/भाषा। यूक्रेन के रूस की तेल रिफाइनरियों पर हमलों में वृद्धि के कारण रूस में पेट्रोल की कीमतें रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गई हैं जबकि सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए पेट्रोल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन रूसी युद्ध मशीनों को नुकसान पहुँचाने के लिए रिफाइनरियों, पंपिंग स्टेशनों और ईंधन ट्रेनों पर ड्रोन हमलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है साथ ही रूस में दैनिक जीवन को भी बाधित करने की कोशिश कर रहा है। गर्मियों में रूस के ड्राइवरों और किसानों के बीच पेट्रोल की माँग चरम पर होती है। सीएनएन द्वारा किए गए हमलों की गणना के अनुसार यूक्रेनी ड्रोन ने अकेले इस महीने कम से कम 10 प्रमुख रूसी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला किया है।

देश की सांस्कृतिक शक्ति करेगी दुनिया का नेतृत्व : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली/भाषा। भारत वसुधैव कुटुंबकम में विश्वास करता है, लेकिन अगर कोई दादागिरी करेगा तो हम शांत नहीं बैठेंगे क्योंकि हमारे लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां भारत मंडपम में गायत्री परिवार के कार्यक्रम 'राष्ट्र के जागरण का समय आ गया' में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही।

चौहान ने इस अवसर पर लोगों को नशा से मुक्ति की शपथ दिलायी और सभी स्वदेशी का संकल्प लेने और देश में बने उत्पाद खरीदने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जनजातीय विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके और स्वामी नारायण संस्था के अंतरराष्ट्रीय प्रमुख एवं आबूधामी अक्षरधाम मंदिर के संस्थापक स्वामी ब्रह्म बिहारी गायत्री भी मौजूद थे। चौहान ने कहा कि इस समय देश में राष्ट्रीय जागरण का महायज्ञ चल रहा है, इसमें कौन कितनी आहूतियां डाल पाता है यह सौभाग्य की बात है। देश के नागरिकों के संकल्प से ही इसे साकार किया जा सकता है। चौहान ने कहा कि इस समय देश में वैश्विक परिस्थितियों के चलते हालात उथल पुथल वाले हैं। भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' में विश्वास करता है, लेकिन कोई दादागिरी करेगा तो हम शांत नहीं बैठेंगे क्योंकि हमारे लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भारी बारिश, जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर पुल क्षतिग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के अधिकतर हिस्सों में शनिवार रातभर हुई भारी बारिश के कारण कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक महत्वपूर्ण पुल क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

शीतकालीन राजधानी जम्मू में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में 190.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो एक सदी में इस माह में हुई दूसरी सबसे अधिक बारिश है। इससे पहले अगस्त में पांच अगस्त 1926 को सबसे अधिक 228.6 मिलीमीटर दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने चेतावनी जारी कर लोगों से अपील की है कि वे जलस्रोतों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, 27 अगस्त तक पहाड़ी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश, बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की आशंका है।

यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रणनीतिक रूप से अहम 250 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और 434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग भारी बारिश के बावजूद यातायात के लिए खुला है। हालांकि, पुंछ और राजौरी (जम्मू) को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाली मुगल रोड और जम्मू के किश्तवाड़ एवं डोडा जिलों को अनंतनाग (दक्षिण कश्मीर) से जोड़ने वाली सिंथन रोड पर विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण आवाजाही बंद कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले में भारी बारिश के कारण सहर खड्ड नाले के उफान पर होने के कारण जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर लोगेट मोड़ के पास एक पुल बीच से क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद राजमार्ग पर यातायात को वैकल्पिक पुल के रास्ते से भेजा जा रहा है। जम्मू शहर में भारी बारिश के कारण सामान्य जीवन प्रभावित हो गया। नालों और नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं और जानीपुर, रूप नगर, तालाब तिल्लो, ज्वेल चौक, न्यू प्लॉट और संजय नगर जैसे इलाकों में पानी घरों में घुस गया। अधिकारियों ने बताया कि कई घरों की चारदीवारी भी क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि लगभग 12 वाहन अचानक आई बाढ़ में बह गए।

देश के युवा राष्ट्रीय संपत्ति, नशे से दूर रहें : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया है।

सैनी ने 'हरियाणा उदय' कार्यक्रम के तहत रविवार को सिरसा जिले के डबवाली में 'युवा मैराथन' को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि युवा देश की राष्ट्रीय संपत्ति हैं और यदि वे नशे की गिरफ्त में आ गए तो इससे विकास की गति प्रभावित होगी। यह हाफ मैराथन पांच किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर श्रेणियों में आयोजित की गई थी।

सैनी ने कहा कि हरियाणा में अब तक 3,350 गांवों और 876 वार्डों को नशा मुक्त घोषित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा, नशा युवाओं की ऊर्जा को नकारात्मक दिशा में मोड़ देता है। इससे कई परिवार प्रभावित होते हैं और उनके सपने चकनाचूर हो जाते हैं। इसका व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि पंचकूला से पलवल और सिरसा से फरीदाबाद तक जागरूकता रैलियां, स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशालाएं तथा पंचायत स्तर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सैनी ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि राज्य में 162 नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र स्थापित किए गए हैं, साथ ही सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 'नशा मुक्ति वार्ड' और 13 जिलों के सिविल अस्पतालों में 'नशा मुक्ति केंद्र' भी स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों और सरपंचों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि उनके क्षेत्र में एक भी व्यक्ति नशे का आदी न बने।

विट्ठलभाई पटेल ने भारत को लोकतंत्र की जननी बनाने नींव डाली : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि वह विट्ठलभाई पटेल ही थे जिन्होंने भारत को 'लोकतंत्र की जननी' बनाने की नींव रखी।

ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में गुप्ता ने अपने संबोधन में याद दिलाया कि कैसे 100 साल पहले, ब्रिटिश काल में पटेल केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में सेवा देने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने कहा, उस क्षण ने अवश्य ही भारतीयों के दिलों में चिंगारी जला दी होगी - दिखाया कि ब्रिटिश शासन में भी एक भारतीय अपनी आवाज उठा सकता है और सदन में उसकी बात सुनी जा सकती है। गुप्ता ने कहा कि विट्ठलभाई ने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की होगी जब भारत स्वतंत्र होगा तथा भारतीय अपने संविधान एवं झंडे के नीचे ऐसी सभाओं में एकत्रित होंगे और अपने राज्यों और राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हुए जन कल्याण के लिए नीतियां तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, विट्ठलभाई पटेल के फैसलों की कभी किसी ने आलोचना नहीं की। उन्होंने ही भारत को लोकतंत्र की जननी बनाने की नींव रखी थी।

'लाडकी बहिन योजना' की अवैध लाभार्थियों को रोकेंगे: फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार कुछ लोगों द्वारा 'लाडकी बहिन योजना' के तहत अवैध रूप से लिए जा रहे लाभों पर रोक लगाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत कथित तौर पर मासिक लाभ का दावा करने वाली 26 लाख से अधिक लाभार्थियों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, कुछ लोग अवैध तरीके से योजना का लाभ उठा रही हैं जिसे रोका जाएगा।

अधिकारियों ने बताया था कि इस योजना के तहत प्रति परिवार 21 से 65 वर्ष की आयु की केवल दो महिलाओं को ही लाभ मिलता है। हालांकि, ऐसे मामले सामने आए हैं जहां एक ही परिवार की दो से ज़्यादा महिलाओं, या इस आयु वर्ग से बाहर की महिलाओं ने 1,500 रुपए की मासिक राशि का लाभ उठाया है।

राज्य सरकार ने व्यापक अपात्रता और दुरुपयोग के संदेह के बीच 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' की 26 लाख से अधिक लाभार्थियों को लक्षित करते हुए बड़े पैमाने पर सत्यापन अभियान का आदेश दिया था।

लघु उद्योग ने भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंचाया : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और काफी हद तक इसका श्रेय लघु उद्योग को जाता है।

मुख्यमंत्री ने गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में लघु उद्योग भारती के नवनिर्मित राज्य कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा, छह करोड़ से ज्यादा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत और कुल निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि लघु और कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और इनके विकास से राष्ट्र को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि एमएसएमई सहित संस्थागत या बैंक ऋणों के भुगतान के तुरंत बाद गिरवी रखी गई संपत्तियां वापस कर दी जाएंगी। यादव ने कहा, हम समाज के सभी वर्गों का कल्याण सुनिश्चित करते हुए उद्योगों के विस्तार के लिए उद्योगपतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। एमएसएमई उद्योगों को एक कार्य योजना के तहत एक निश्चित समय-सीमा के भीतर उनकी स्थापना से संबंधित सभी स्वीकृतियां प्राप्त होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में रोजगार-आधारित उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। साथ ही नए आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेजों और इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए अनुदान के प्रावधानों का भी विस्तार किया जा रहा है। अनुसंधान को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए, यादव ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), इंदौर के साथ घरेलू और विदेशी संस्थानों के साथ अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए चर्चा चल रही है।

जम्मू-कश्मीर : पेपर लीक के आरोपों के बाद एसएसबी परीक्षा रद्द

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में रविवार को एक भर्ती परीक्षा को प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद रद्द कर दिया गया। राजनीतिक दलों ने इस घटनाक्रम को लेकर सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) पर युवाओं का ''भविष्य बर्बाद'' करने का आरोप लगाया।

जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने लिखित परीक्षा रद्द करने की घोषणा करते हुए कहा कि यह परीक्षा नए सिरे से आयोजित की जाएगी।

जेकेएसएसबी ने एक आदेश में कहा, ओएमआर-आधारित लिखित परीक्षा रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे से जम्मू और श्रीनगर के 35 परीक्षा स्थलों पर आयोजित होनी थी। हालांकि, मौसम संबंधी आपात स्थितियों के कारण, समय बदलकर दोपहर 12 बजे कर दिया गया। परीक्षा 34 स्थलों पर सफलतापूर्वक आयोजित की गई, लेकिन एक स्थल पर आयोजित नहीं की जा सकी।

स्टारलिंक को भारतीय आंकड़ों की विदेशों में प्रतिलिपि बनाने की अनुमति नहीं: दूरसंचार राज्यमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार ने स्टारलिंक के घरेलू कानूनों का पालन करने पर सहमति व्यक्त करने के बाद उसे लाइसेंस दिया है।

घरेलू कानून में सुरक्षा शर्तें भी शामिल हैं, जो इसे विदेशों में आंकड़ों की प्रतिलिपि रखने और उसे पढ़ने लायक बनाने तथा विदेश में स्थापित किसी भी सिस्टम पर भारतीय उपयोगकर्ता ट्रैफिक को प्रतिबिंबित करने से रोकती हैं। मंत्री ने बताया कि सुरक्षा शर्तों के तहत उपग्रह संचार प्रदाताओं को भारत में अर्थ स्टेशन गेटवे स्थापित करना अनिवार्य है, जिसके माध्यम से उपग्रह से उपयोगकर्ताओं तक संचार भेजा जाता है। दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लि. को एक एकीकृत लाइसेंस (यूएल) प्रदान किया है। यह लाइसेंस तब दिया गया जब अमेरिकी कंपनी ने एकीकृत लाइसेंस से जुड़े नियमों और शर्तों पर सहमति व्यक्त की। इसमें सुरक्षा शर्तें भी शामिल हैं जो सभी उपग्रह आधारित संचार सेवाएं देने वाली कंपनियों पर लागू होती हैं। मंत्री ने कहा, सुरक्षा शर्तों में अन्य बातों के साथ-साथ उपग्रह आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए भारत में अर्थ स्टेशन गेटवे की स्थापना शामिल है, जिसमें भारत से आने वाले या भारत के लिए जाने वाले किसी भी उपयोगकर्ता ट्रैफिक को भारत के बाहर स्थित किसी भी गेटवे के माध्यम से नहीं भे जाएगा।

हैदराबाद में व्यक्ति ने पत्नी की हत्या कर शव के कई टुकड़े किए

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार ने स्टारलिंक के घरेलू कानूनों का पालन करने पर सहमति व्यक्त करने के बाद उसे लाइसेंस दिया है। घरेलू कानून में सुरक्षा शर्तें भी शामिल हैं, जो इसे विदेशों में आंकड़ों की प्रतिलिपि रखने और उसे पढ़ने लायक बनाने तथा विदेश में स्थापित किसी भी सिस्टम पर भारतीय उपयोगकर्ता ट्रैफिक को प्रतिबिंबित करने से रोकती हैं।

मंत्री ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सुरक्षा शर्तों के तहत उपग्रह संचार प्रदाताओं को भारत में अर्थ स्टेशन गेटवे स्थापित करना अनिवार्य है, जिसके माध्यम से उपग्रह से उपयोगकर्ताओं तक संचार भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लि. को एक एकीकृत लाइसेंस (यूएल) प्रदान किया है।

केवल आधार से कोई मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हो सकता: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को विपक्ष पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि शीर्ष अदालत ने यह नहीं कहा कि सिर्फ आधार ही मतदान का अधिकार पाने के लिए वैध दस्तावेज हो सकता है।

उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बाहर किए गए मतदाता अन्य दस्तावेजों के साथ आधार जमा कर सकते हैं। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि आधार केवल पहचान और निवास का प्रमाण है, परंतु यह नागरिकता स्थापित नहीं करता। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहीं भी यह नहीं कहा कि इसे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए वैध दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर दुष्प्रचार कर रहा है।

मालवीय ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम कहता है यदि कोई व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं है, किसी सक्षम न्यायालय द्वारा उसे मानसिक रूप से विक्षिप्त घोषित किया गया है या चुनाव में भ्रष्ट आचरण या अपराधों से संबंधित कानून के तहत अयोग्य घोषित किया गया है, तो उसे मतदाता सूची में पंजीकरण से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आधार अधिनियम कहता है कि यह केवल पहचान और निवास का प्रमाण है, न कि यह नागरिकता स्थापित करता।

आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, निर्वाचन आयोग से आधार को स्वचालित मतदाता नामांकन के लिए एक दस्तावेज के रूप में शामिल करने का अनुरोध करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 16 और आधार अधिनियम को निरर्थक बनाता है। असल में, इसी पीठ ने 12 अगस्त को यह व्यवस्था दी थी कि आधार नागरिकता साबित करने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं है।

राहुल गांधी को बिहार चुनाव में एक और हार का सता रहा डर : ठाकुर

शिमला/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस उनके नेतृत्व में पहले ही लगभग 90 चुनाव हार चुकी है और अब उन्हें आगामी बिहार चुनाव में एक और हार का डर सता रहा है।

हमीरपुर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल हर चुनावी हार के बाद वीवीपैट या ईवीएम को दोष देते हैं और अब, चुनावों से पहले ही, वह निर्वाचन आयोग के बारे में निराधार बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी नेताओं ने देश की संवैधानिक संस्थाओं में विश्वास खो दिया है। ठाकुर ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों के कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थाओं को मज़बूत करने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कानून लाने के प्रयास किए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि दिल्ली में कुछ मंत्री जेल से ही फाइल पर हस्ताक्षर करते थे और फैसले लेते थे, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, भ्रष्ट नेताओं को अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। उनका इशारा उन विधेयकों की ओर था जो गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं।

हैदराबाद जैव प्रौद्योगिकी, औषधि और चिकित्सा प्रौद्योगिकी नवाचार में तेजी से उभर रहा: रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि हैदराबाद विनिर्माण से लेकर जैव प्रौद्योगिकी, औषधि और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में नवाचार में तेजी से उभर रहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा विज्ञप्ति के अनुसार हैदराबाद में एआईजी अस्पताल में आयोजित 'बायोडिजाइन इनोवेशन समिट' में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि बायोडिजाइन तकनीक के जरिए चिकित्सीय उत्पादों में नवाचार के लिए राज्य सरकार शुरुआत से अंत तक पूरा सहयोग देगी।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद में उत्तम शैक्षिक संस्थान, कौशल विकास और उद्योग साझेदारी का एक अच्छा तालमेल है, जिसकी वजह से यहां बहुत कुशल लोग मौजूद हैं।

देश की चिकित्सा ज़रूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी नवाचार का समर्थन करते हुए, उन्होंने कहा कि खोज करने वालों और शोधकर्ताओं को तेलंगाना के ऐतिहासिक चिकित्सा आंकड़ों तक पहुंच दी जाएगी, जबकि आंकड़ों की गोपनीयता का कड़ाई से पालन किया जाएगा। उन्होंने आगे, हम आपको शैक्षणिक संस्थानों, शोध निकायों, नवाचार निकायों, यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और बड़े निगमों से जोड़ेंगे।

ई20 पेट्रोल के कारण ईंधन दक्षता में 2-5% की गिरावट संभव: कार विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाहनों में 20 प्रतिशत एथनॉल (ई20) मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल से कारों के प्रकार के आधार पर ईंधन दक्षता में 2-5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। ऑटोमोटिव उद्योग के विशेषज्ञों ने यह बात कही।

वाहनों पर ई20 ईंधन के प्रभाव को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही बहस के बीच कुछ प्रमुख वाहन विनिर्माताओं के साथ काम करने वाले इंजीनियरों से पीटीआई-भाषा ने बात की। उन्होंने कहा कि पुराने वाहनों, जो ई20 मानकों के अनुरूप नहीं हैं, में लंबे समय में गैस्केट, ईंधन रबर होज और पाइप का क्षरण हो सकता है, लेकिन ऐसा तुरंत नहीं होगा।

नाम न छापने की शर्त पर एक विशेषज्ञ ने कहा, वाहन के प्रकार के आधार पर माइलेज में 2-5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ऐसा पूरी तरह से पेट्रोल की तुलना में इथेनॉल के कम कैलोरी मान के कारण है। इस महीने की शुरुआत में तेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि ''यह आलोचना कि ई20 ईंधन दक्षता में भारी कमी लाता है, गलत है। हालांकि इसमें ईंधन दक्षता में प्रतिशत गिरावट का उल्लेख नहीं किया गया था।

टिप्पणी के लिए संपर्क करने पर प्रमुख वाहन विनिर्माताओं मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर इंडिया ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कहा, हमारे वाहन ई20 के अनुरूप हैं।

एक अन्य विशेषज्ञ ने कहा, ई20 के उपयोग का अनुपालन करने वाले वाहनों के इंजनों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, ई20 के अनुकूल नहीं होने वाले वाहनों में लंबे समय में गैसकेट और ईंधन रबर होज और पाइप का क्षरण हो सकता है, लेकिन ऐसा तुरंत नहीं होगा।

सरकार ने उत्सर्जन में कमी लाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत गन्ने या मक्का से निकाले गए एथनॉल की 20 प्रतिशत मात्रा को पेट्रोल के साथ मिलाने के लिए कदम उठाया है।

न्यायमूर्ति पारदीवाला की ओर से पारित फैसलों ने शीर्ष अदालत को असमंजस में डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की ओर से एक महीने से भी कम समय में पारित तीन फैसलों ने उच्चतम न्यायालय को असमंजस में डाल दिया, जिसके चलते प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई को इन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ा है।

पहला मामला : इलाहाबाद उच्च न्यायालय के खिलाफ टिप्पणियां

- न्यायमूर्ति पारदीवाला ने एक दीवानी मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार की आलोचना की थी और उन्हें सेवानिवृत्ति तक किसी आपराधिक मामलों की सुनवाई न दिए जाने का निर्देश दिया था।

शीर्ष अदालत के कई वरिष्ठ न्यायाधीशों ने न्यायमूर्ति पारदीवाला की ओर से पारित आदेश पर नाखुशी जाहिर की और अपने विचार प्रधान न्यायाधीश के समक्ष रखे। इसके बाद प्रधान न्यायाधीश गवई ने मामले में हस्तक्षेप किया और न्यायमूर्ति पारदीवाला से अपनी टिप्पणियों पर पुनर्विचार करने को कहा।

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने आठ अगस्त को अपनी टिप्पणियां हटा दीं और स्पष्ट किया कि उनका मकसद न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को शर्मिंदा करना या उन पर आक्षेप लगाना नहीं था।

दूसरा मामला : आवारा कुत्तों से संबंधित आदेश

- न्यायमूर्ति पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने आवारा कुत्तों के काटने से, खासतौर पर बच्चों में होने वाली रेबीज की समस्या के कारण उपजी अत्यंत गंभीर स्थिति को रेखांकित करते हुए दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के प्राधिकारों को निर्देश दिया कि वे सभी आवारा कुत्तों को जल्द से जल्द सड़कों से उठाएं और उन्हें आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करें।

पीठ के आदेश की कुत्ता प्रेमियों और कई पशु कल्याण संगठनों ने कड़ी आलोचना की, जिसके मद्देनजर प्रधान न्यायाधीश गवई को मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ को स्थानांतरित करनी पड़ी।

न्यायमूर्ति नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों से छोड़ने पर रोक संबंधी अपने निर्देश को बहुत कठोर बताते हुए 22 अगस्त को इसमें संशोधन किया। उसने आदेश दिया कि पकड़े गए आवारा कुत्तों को नसबंदी एवं टीकाकरण के बाद वापस उन्हीं क्षेत्रों में छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था।

अमित शाह की विजय यात्रा को भ्रष्ट ताकतों और राजनीतिक षड्यंत्रकारियों द्वारा रोका नहीं जा सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि तिरुनेलवेली में भाजपा के ऐतिहासिक बूथ समिति सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तमिलनाडु में भ्रष्ट शासन को खत्म करने की शपथ लेने की जोरदार घोषणा के बाद जनविरोधी राजनीतिक षड्यंत्रकारियों और भ्रष्ट मंत्रियों के असंगत बयानों की बाढ़ आ गई है, जिनकी आवाजें हाल के दिनों में पूरे राज्य में तेज हो गई हैं।

यह बेहद निंदनीय है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और डीएमके के उप-महासचिव ए. राजा चुनावी फ़ायदे के लिए भाजपा और प्रधानमंत्री को बदनाम करने पर उतर आए हैं। उन्होंने पवित्र तिरुक्कुरल, श्रद्धेय तिरुवल्लुवर और ख़ुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह कहकर बदनाम किया है कि तिरुक्कुरल का इस्तेमाल करके तमिल वोट नहीं चुराए जा सकते, ठीक वैसे ही जैसे वोटों की चोरी नहीं की जा सकती। कोई भी ताकत, चाहे कितनी भी चालाक क्यों न हो, प्रधानमंत्री और तमिलनाडु की जनता के दिलों के बीच के अटूट बंधन को तोड़ नहीं सकती।

उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तमिल भाषा, तमिलनाडु की जनता के कल्याण और राज्य की प्रगति में अमूल्य योगदान अद्वितीय और अद्वितीय है। सच्ची तमिल पहचान केवल जन्मस्थान का मामला नहीं है, बल्कि तमिल भाषा और संस्कृति की पवित्रता, प्राचीनता और भव्यता के प्रति श्रद्धा का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी, जो तमिल को दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा बताते हैं और वैश्विक मंचों पर इसके साहित्यिक खजाने का उल्लेख करते हैं, तमिल भूमि के एक सच्चे सपूत के रूप में यहाँ के लोगों के दिलों में बसते हैं।

द्रमुक नेता और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को ए. राजा के खिलाफ उनके लगातार बदनामी और प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करने के प्रयासों के लिए निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए।

द्रमुक का यह दावा कि अमित शाह हज़ार बार भी तमिलनाडु आएँ, भाजपा तमिलनाडु में अपनी जड़ें नहीं जमा पाएगी, खोखला है। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष सेल्वापेरुंथगई का यह निंदनीय दावा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री वोट चुराने आ रहे हैं, राजनीतिक मर्यादा के घोर अभाव को दर्शाता है, और दुष्ट शकुनि की याद दिलाता है, जिसकी योजनाओं के कारण महाभारत में कौरवों का पतन हुआ था। अगर द्रमुक नेता स्टालिन सिर्फ़ मूकदर्शक बनकर ऐसी बयानबाज़ी करते रहे, तो द्रमुक गठबंधन का हश्र कौरव वंश जैसा हो सकता है। द्रमुक मंत्री नेहरू का यह दावा भी उतना ही बेशर्मी भरा है कि डीएमके को कोई टक्कर नहीं दे रहा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस भ्रष्ट शासन को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने का साहसपूर्वक संकल्प लिया है!

उन्होंने गहरी पीड़ा के साथ इस बात पर ज़ोर दिया है कि दुनिया भर में भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में कुख्यात डीएमके, तमिलनाडु की जनता को लाखों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लाभ पहुँचाने में विफल रही है।

प्रसाद ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि आठ महीने की जेल की सज़ा काट चुके सेंथिल बालाजी और भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व मंत्री पोनमुडी जैसे भ्रष्ट लोगों को तमिलनाडु में दोबारा सत्ता में आने से रोका जाना चाहिए। शासन का अधिकार भ्रष्टाचार में डूबे लोगों को नहीं सौंपा जा सकता। 130वें संविधान संशोधन विधेयक का हवाला देते हुए, अमित शाह ने मुख्यमंत्री स्टालिन को सीधी चुनौती दी है: वे इसे काला विधेयक क्यों कह रहे हैं और किसे बचा रहे हैं? स्टालिन को इस तीखे सवाल का स्पष्ट और सीधा जवाब देना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी पलानीस्वामी के गतिशील नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन तमिलनाडु में एक दुर्जेय शक्ति के रूप में खड़ा है। द्रमुक के सहयोगी, मिशनरी समर्थित कार्यकर्ता और सेबेस्टियन सीमन जैसे अलगाववादी-जो अपने राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए भारत की आज़ादी के लिए खून बहाने वालों की विरासत का फायदा उठाते हैं-अशांति तो फैला सकते हैं, लेकिन सार्थक राजनीतिक बदलाव लाने की ताकत उनमें नहीं है।

प्रसाद ने आशा व्यक्त की कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सैद्धांतिक संकल्प से प्रेरित होकर, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 2026 के विधानसभा चुनावों में विजय प्राप्त करेगा, जनविरोधी डीएमके शासन को उखाड़ फेंकेगा और शासन के एक नए युग की शुरुआत करेगा जो वास्तव में तमिलनाडु के लोगों की सेवा करेगा।

केंद्रीय मंत्री का विनायक महोत्सव समिति कार्यालय दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति। केंद्रीय भारी इस्पात उद्योग मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने वरसिद्धि विनायक महोत्सव समिति कार्यालय का दौरा किया। समिति पदाधिकारियों ने मंत्री का भव्य स्वागत कर कार्यालय में स्थित विनायक स्वामी की विशेष पूजा आयोजित की।

मंत्री ने कहा कि समिति संयोजक सामंची श्रीनिवास के आमंत्रण पर आए हैं। विनायक चतुर्थी हिंदुओं का सबसे प्रमुख त्योहार है। हर शुभ कार्य से पहले विनायक की पूजा करना हमारी सनातन परंपरा है। नए कार्य सफल हों, इस संकल्प से विनायक व्रत करना आचार है। छात्र भी अपनी पुस्तकें विनायक के समक्ष रखकर पूजा करते हैं, यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। तिरुपति में बड़े पैमाने पर विनायक विसर्जन महोत्सव समिति गठित कर, सरकारी विभागों को एक मंच पर लाकर सामूहिक विसर्जन उत्सव आयोजित करने के लिए मंत्री ने समिति संस्थापक एवं संयोजक सामंची श्रीनिवास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पिछले 24 वर्षों से इस महोत्सव को सफलतापूर्वक आयोजित करना गर्व का विषय है। इस कार्यक्रम में गुंडाला गोपीनाथ, ऊका विजयकुमार, रुद्रकोटी सदाशिवम, चेनम नवीन, वेंकटेश, सुब्रह्मण्यम रेड्डी, रामकृष्ण, रेड्डिबाबू, आनंद, वासु, गोपी प्रसाद, दाम वंशी, घंटासाला कृष्ण, चेंगरड्डी, शेखर, डॉ. नरेश, बालाजी आदि सहभागी हुए।

नाश्ता योजना का 20 लाख छात्रों को लाभ मिलेगा : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि 26 अगस्त को मुख्यमंत्री नाश्ता योजना के विस्तार के बाद 20 लाख से अधिक स्कूली छात्र इस पहल से लाभान्वित होंगे, जिसका उद्देश्य बच्चों का पर्याप्त विकास सुनिश्चित करना है। अब इस योजना का विस्तार तमिलनाडु के शहरी क्षेत्रों के सरकारी और सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में किया जा रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस योजना के विस्तार के दौरान बुधवार को मौजूद रहेंगे।

स्टालिन ने सोशल मीडिया पर 'एक पोस्ट' साझा कर कहा कि इस योजना से अब 20.59 लाख स्कूली बच्चे लाभान्वित होंगे।

उन्होंने कहा, ''जस्टिस पार्टी के दिनों से लेकर द्रविड़ मॉडल सरकार तक हम बच्चों को भोजन प्रदान करते आए हैं और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। यह सिर्फ भोजन नहीं है, बल्कि बच्चों के विकास के लिए एक मजबूत आधार है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लिए एक मिसाल कायम करने वाला सरकार का यह ''नवीनतम प्रयास'' जारी रहेगा और तमिलनाडु हमेशा आगे बढ़ता रहेगा। स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में कहा कि तमिलनाडु ने कैसे इस तरह की पहल की थी, जब पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत के. कामराज ने मध्याह्न भोजन योजना शुरू की थी। बाद में, तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम जी रामचंद्रन (एमजीआर) ने इसे पौष्टिक भोजन योजना में बदला। स्टालिन ने कहा कि इसके वर्षों बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम सरकार ने छात्रों को दिए जाने वाले भोजन में अंडे को भी शामिल किया।

फैब स्टार्स आइकॉनिक अवार्ड् के पांचवें संस्करण का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां प्रतिष्ठित फैब स्टार्स आइकॉनिक अवार्ड्स के पाँचवे संस्करण का आयोजन पंचतारा होटल में आयोजित किया गया। सितारों से सजी यह शाम सिनेमा, उद्यमिता और रचनात्मक उद्योगों में उत्कृष्टता का उत्सव थी। इस ग्लैमरस नाइट में अबिरामी, उमा, आरके सुरेश, श्रुतिका अर्जुन, संचिता शेट्टी, नित्याश्री, याशिका आनंद, वेट्री वसंत, इंदिरान विजयलक्ष्मी और देवानंद शा जैसी प्रमुख हस्तियों के साथ-साथ कई अन्य प्रसिद्ध कलाकार और उद्यमी मौजूद थे, जिन्हें उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पहचाना गया।

टीवीके प्रमुख विजय अपनी 'अपरिपक्व' टिप्पणी पर आत्मचिंतन करें : तमिलनाडु के मंत्री अंबिल महेश

चेन्नई। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोई ने रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय पर अपरिपक्व' टिप्पणी करने के लिए निशाना साधते हुए कहा कि अभिनेता को सोचना चाहिए कि क्या उन्हें सिर्फ इसलिए असंयमित भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि उन्होंने एक राजनीतिक पार्टी शुरू की है। अभिनय से राजनीति में आए विजय द्वारा मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को ''चाचा'' कहकर संबोधित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री का सार्वजनिक जीवन में 50 साल का इतिहास है और वह सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के भी प्रमुख भी हैं।

मंत्री ने कहा कि विजय और उनके समर्थकों को इस बात पर विचार करना चाहिए और समझना चाहिए कि क्या मुख्यमंत्री के खिलाफ अनुचित शब्द का इस्तेमाल स्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि टीवीके प्रमुख के परिवार के दिवंगत द्रमुक संरक्षक एम. करुणानिधि, मुख्यमंत्री स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के साथ भी अच्छे संबंध थे। पोय्यामोई ने विजय के भाषण का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने अपरिपक्व तरीके से बात की है। इस बीच, मदुरै में द्रमुक पदाधिकारियों ने दीवारों पर पोस्टर लगाकर विजय की चाचा वाली टिप्पणी' की निंदा की और उनसे संयम बरतने को कहा।

कांग्रेस विधायक रंगनाथ ने शिवकुमार की तरह संघ के प्रार्थना गीत की प्रशंसा की

तुमकुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की तरह सत्तारूढ़ कांग्रेस विधायक एच.डी. रंगनाथ ने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रार्थना गीत की शुरुआती पंक्तियां रविवार को गाईं और उसकी प्रशंसा की। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने 21 अगस्त को राज्य विधानसभा में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ पर चर्चा के दौरान आरएसएस की प्रार्थना की कुछ पंक्तियां गाकर सबको चौंका दिया था। 'इंडियन प्रीमियर लीग' में 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' की जीत के बाद आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। रंगनाथ ने भी तुमकुरु जिले के कुनिगल में पत्रकारों से बात करते हुए संघ के प्रार्थना गीत 'नमस्ते सदा वत्सले' की शुरुआती पंक्तियां गाईं।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 38

विक्रेता विकास जागरूकता कार्यक्रम - 2025

(अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों पर विशेष ज़ोर)

सभी विक्रेताओं और सम्मानित आपूर्तिकर्ताओं को 03.09.2025 को दोपहर 14.30 बजे से सायं 17.00 बजे तक विक्रेता विकास जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है ताकि वे आईसीएफ की व्यावसायिक संभावनाओं से परिचित हो सकें, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।

सभी निर्माता आमंत्रित हैं।

स्थान : उन्नत वेल्डिंग प्रशिक्षण संस्थान (एडब्ल्यूटीआई), सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038 ।

इंडियन बैंक ने ग्राहक दिवस मनाया, उत्कृष्ट सेवा की प्रतिबद्धता दोहराई

चेन्नई। इंडियन बैंक ने 22 अगस्त को भारत और विदेशों में अपनी सभी शाखाओं में अपना वार्षिक ग्राहक दिवस मनाया। यह अवसर ग्राहकों के लिए अपनी प्रतिक्रिया और अपेक्षाएँ साझा करने का एक मंच प्रदान करता है, साथ ही सेवा वितरण को और बेहतर बनाने के लिए बैंक अधिकारियों के साथ सीधे संपर्क को भी बढ़ावा देता है। इस अवसर पर, बैंक ने अपने मूल्यवान ग्राहकों के विश्वास और निष्ठा के लिए उनके प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए ग्राहक प्रतिक्रिया के महत्व पर ज़ोर दिया और ग्राहक-केंद्रित जुड़ाव और सतत विकास के माध्यम से वित्तीय सेवाओं में उत्कृष्टता प्रदान करने के इंडियन बैंक के दृष्टिकोण की पुष्टि की।

ग्राहक दिवस कार्यक्रम में एमडी और सीईओ बिनोद कुमार उपस्थित थे, जिन्होंने चेन्नई स्थित सैदापेट शाखा में ग्राहकों से बातचीत की। कार्यकारी निदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी चेन्नई की विभिन्न शहरी शाखाओं में ग्राहकों से मुलाकात की। कार्यकारी निदेशक आशुतोष चौधरी ने टी. नगर शाखा का दौरा किया, जबकि कार्यकारी निदेशक ब्रजेश कुमार सिंह ने नुंगमबक्कम शाखा में ग्राहकों से बातचीत की। इसके अलावा, सिंगापुर, जाफना और कोलंबो स्थित इंडियन बैंक की विदेशी शाखाओं ने अंतरराष्ट्रीय ग्राहक संबंधों को मजबूत करने के लिए ग्राहक सम्मेलनों का आयोजन किया। यह स्वीकार करते हुए कि ग्राहक सेवा बैंकिंग की आधारशिला है, इंडियन बैंक खुले संवाद और उत्तरदायी समाधानों के माध्यम से विश्वास को मजबूत करने और स्थायी संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करता रहा है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप, हाल ही में एमडी और सीईओ द्वारा अड्यार में बुजुर्ग ग्राहकों के लिए विशेष सेवाएँ प्रदान करने हेतु एक विशिष्ट वरिष्ठ नागरिक शाखा का उद्घाटन किया गया।

इस्तीफे की अटकलों के बीच राहुल ममकूट्राथिल ने माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा/भाषा। पलक्कड़ से कांग्रेस विधायक राहुल ममकूट्राथिल ने रविवार को जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं से माफी मांगी। उन्होंने इन अटकलों के बीच माफी मांगी है कि कई महिलाओं द्वारा उन पर ''दुर्व्यवहार'' के आरोप लगाए जाने के बाद वह विधायक पद से इस्तीफा दे सकते हैं। ममकूट्राथिल ने पथनमथिट्टा के अदूर में अपने आवास पर पत्रकारों के साथ बातचीत में अपने संभावित इस्तीफे पर टिप्पणी करने से परहेज किया, लेकिन एक तृतीय लिंग व्यक्ति द्वारा उन्हें भेजी गई एक ऑडियो क्लिप सुनाई, जिसने हाल ही में उन पर ''अश्लील'' व्हाट्सऐप संदेश भेजने का आरोप लगाया था।

उन्होंने कहा, ''मैंने कभी नहीं चाहा कि कोई पार्टी कार्यकर्ता मुझे सही ठहराने के लिए अपना सिर झुकाए। मुझे इस स्थिति का सामना करना है क्योंकि मैंने हमेशा समाचार-मीडिया मंचों पर, मीडिया में और विरोध प्रदर्शनों के दौरान पार्टी की खूबियों का समर्थन किया है। लेकिन मुझे यह अस्वीकार्य है कि मेरे पार्टी कार्यकर्ताओं को मेरे कारण अपना सिर झुकाना पड़े।'' ममकूट्राथिल ने दावा किया कि तृतीय लिंगी व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया था और एक रिपोर्टर के साथ हुई बातचीत के बारे में बताया था।

उन्होंने दावा किया कि तृतीय लिंगी व्यक्ति ने उन्हें बताया कि एक पत्रकार ने उनसे संपर्क कर उनके साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के बारे में पूछा था और बाद में उसने बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग भेज दी। कांग्रेस विधायक ने प्रेसवार्ता में ऑडियो क्लिप सुनाई। रिकॉर्डिंग में, कथित तौर पर ट्रांसजेंडर की आवाज है, जो ममकूट्राथिल द्वारा किसी भी तरह का दुर्व्यवहार किए जाने की बात से इनकार करती और उन्हें अपना अच्छा दोस्त बताती सुनाई देती है। उन्होंने कहा कि तृतीय लिंगी व्यक्ति की जान को ख़तरा है।

आरोपों का जवाब देने में देरी के बारे में उन्होंने कहा, मैं एक इंसान हूं, मेरी अपनी भावनाएं और संवेदनाएं हैं। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो अपनी पार्टी को रक्षात्मक स्थिति में नहीं डालना चाहता था। मैंने कई बार इस पार्टी का बचाव किया है। मैं अपनी पार्टी के उन कार्यकर्ताओं से माफी मांगता हूं जिन्हें मेरा बचाव करना पड़ा। हाल में अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने एक प्रमुख राजनीतिक दल के युवा नेता' पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था जिसके बाद ममकूट्राथिल को वर्तमान में पार्टी की आंतरिक जांच का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा और डीवाईएफआई के विरोध प्रदर्शनों के कारण उन्हें युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) केरल में सत्तारूढ़

धर्मस्थल मानहानि मामले में यूट्यूबर कर्नाटक पुलिस के सामने पेश हुआ

मंगलूरु। कर्नाटक में धर्मस्थल मंदिर को लेकर कथित अपमानजनक वीडियो बनाने वाला यूट्यूबर समीर एमडी रविवार को बेलथांगडी पुलिस के सामने पेश हुआ। पुलिस ने इस वीडियो का स्वत: संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इससे पहले बेंगलूरु और बल्लारी में समीर के घर पर नोटिस चिपकाकर उसे पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश दिया था। वह आज तीन वकीलों के साथ बेलथांगडी थाने पहुंचा और अपना बयान दर्ज कराया। अपनी संभावित गिरफ्तारी की खबरें आने के बाद समीर ने मंगलूरु अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। बृहस्पतिवार को अदालत ने उसे जमानत दे दी।

पलानीस्वामी राजग का नतृत्व कर रहे, तमिलनाडु में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नागेंद्रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नयनार नागेंद्रन ने रविवार को कहा कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करता है, तो ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अध्यक्ष ई पलानीस्वामी राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे। तिरुचिरापल्ली में संवाददाताओं से मुखातिब नागेंद्रन से जब अगले साल चुनाव जीतने पर गठबंधन सरकार बनाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता पलानीस्वामी की ओर से दिए गए बयानों के बीच विरोधाभास के बारे में पूछा गया, तो

उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी राज्य में गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं।

शाह बार-बार गठबंधन सरकार बनाने की बात करते रहे हैं, तो पलानीस्वामी कहते रहे हैं कि अन्नाद्रमुक बहुमत हासिल करके अपने दम पर सरकार बनाएगी। इस तथ्य की तरफ ध्यान आकृष्ट करने पर नागेंद्रन ने कहा, ''तमिलनाडु में राजग के नेता ई पलानीस्वामी हैं और विधानसभा चुनाव के बाद वह जो भी फैसला लेंगे, अंतिम होगा।'' यह पूछे जाने पर कि अन्नाद्रमुक का शीर्ष नेतृत्व शाह की इस टिप्पणी से नाराज है कि राजग के घटक दल सरकार बनाएंगे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि किसी को कोई अफसोस नहीं है।

नागेंद्रन ने स्पष्ट किया कि शाह का मतलब गठबंधन सहयोगी (अन्नाद्रमुक) के ''शासन'' से था। उन्होंने कहा, ''आपको अधिक भ्रमित नहीं होना चाहिए, लक्ष्य द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना है, कई लोग द्रमुक की बी-टीम हैं।'' तमिलनाडु में राजग के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में पूछे गए एक तीखे सवाल पर नागेंद्रन ने पलटवार करते हुए कहा, ''तमिलनाडु में गठबंधन में कौन-सी पार्टी बड़ी है? अगर भविष्य में सरकार बनती है, तो यह किसके नेतृत्व में बनेगी? मैं आपको पहले ही बता चुका हूं कि वह ई पलानीस्वामी होंगे, भ्रम पैदा नहीं किया जाना चाहिए।''

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदामूल्य (₹)
2025499211943	रेलवे यात्री डिब्बों में एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल और मोल्डिंग की इंस्टलेशन के लिए कार्य अनुबंध	1,31,52,280

निविदा बंद होने की तारीख : 17.09.2025 को 14.45 बजे / खूलने की तारीख 17.09.2025 को 15.00 बजे उपरोक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण https:/icf.indianrailways.gov.in/ पर उपलब्ध है।

निविदा संख्या 2025499211932 का शुद्धिपत्र निविदा बंद होने और खुलने की तिथि इस प्रकार पढ़ी जा सकती है निविदा बंद होने की तिथि 12.09.2025 को 14.45 बजे और खुलने की तिथि 12.09.2025 को 15.00 बजे

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर / फर-III

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुला निविदा सं.	मदों का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रू.)	अवधि	निविदा की तारीख: निविदा बंद होने की तारीख	निविदा की तारीख: निविदा खुलने की तारीख
2025499211933	01 अदद इफ्लूवेंट ट्रीटमेंट प्लांट और 01 अदद रिवर्स ऑस्मोसिस प्लांट की व्यस्थाका संचालन और रखरखाव	Rs. 21,24,000/-	24 महीने	16.09.2025 को 14.45 बजे	16.09.2025 को 15.00 बजे

उपर्युक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण https://icf.indianrailways.gov.in/. में उपलब्ध है।

मुख्य संरक्षा अधिकारी / फर

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदा आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की जाती है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in में लॉगिन करें और निविदा के खिलाफ बोली लगाएं। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा संख्या	आइटम का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य	निविदा की तिथि अंतिम तिथि और समय
2025476211918	एलएचबी डिवीजन, आईसीएफ में "ब्लिस्यू" सीएनसी लेजर कटिंग और वेल्डिंग मशीन के रेट्रो-फिटमेंट और सीएएमसी के लिए कार्य अनुबंध	Rs.3,32,13,782/-	10.09.2025 @ 15.00 hrs

उमुख्य यांत्रिक अभियंता / प्लांट.

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखितई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मोंसे अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाएं। इस निविदा केलिए मैनुअल कोटेशन पर विचारन हीं किया जाएगा।

क्र. सं.	खुलीनिविदा सं.	कार्यका संक्षिप्त विवरण	लगभगमूल्य रुपये में	निविदाकीतारीख, समय
1.	2025377211941	डी एंड डी भवन के चारों ओर की दीवार में सुधार	1.67 करोड़	12.09.2025 @10.30 बजे
2.	2025377211942	फर्निशिंग डिवीजन में स्टेबलिंग शेड, दुकान 36, दुकान 37, दुकान 80 और दुकान 88 के आसपास प्रस्तावित बाहरी फायर हाइड्रेंट प्रणाली और अन्ना नगर में कमीशनिंग शेड में फायर हाइड्रेंट का प्रावधान	2.46 करोड़	12.09.2025 @10.30 बजे

विज्ञापन का हिंदी अनुवाद वेबसाइट www.icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है

पिछले चौबीस घंटों में दौसा में हुई सर्वाधिक 285 मिलीमीटर बरसात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बरसात का दौर जारी है और पिछले चौबीस घंटो में दौसा में अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई है वहीं अन्य कई जिलों में अतिभारी एवं भारी वर्षा हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे तक प्रदेश में सर्वाधिक 285 मिलीमीटर वर्षा दौसा में दर्ज की गई है। इस दौरान अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर एवं टोंक जिलों में अतिभारी तथा उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, प्रतापगढ़, भरतपुर, नागौर, अजमेर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटे में जयपुर एयरपोर्ट स्थित मौसम वेधशाला में 89 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

बारिश से प्रभावित जिलों में प्रशासन एवं पुलिस राहत टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उधर जयपुर जिला प्रशासन ने बताया कि जयपुर में जारी बरसात के दौर में किसी भी आपदा के प्रबंधन के लिए जयपुर जिला प्रशासन की टीम मुस्तैद हैं और जिला कलक्टर डा जितेन्द्र कुमार सोनी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सोनी के निर्देश पर जिला प्रशासन की 46 टीमें फील्ड में तैनात है और सभी प्रशासनिक अधिकारियों को जल भराव क्षेत्रों के निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। जिला कलक्टर स्वयं प्रभावित इलाकों एवं जल भराव के क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं।

सहायता के लिए एक एमआई-17 तैनात, वायुसेना और उड़ानों के लिए तैयार

राजस्थान के कोटा और बूंदी क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है तथा भारतीय वायुसेना और अधिक उड़ानों के लिए तैयार है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्थान के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पूर्वी राजस्थान में सबसे अधिक बारिश हुई है और निचले इलाकों में पानी भर जाने से सड़क एवं रेल संपर्क बाधित हो गया है तथा जलभराव के कारण कई गांवों में संपर्क टूट गया है।

कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। अधिकारियों ने बताया कि कोटा और बूंदी इलाकों में बाढ़ प्रभावित लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना को मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों के लिए और उड़ानें भरने के लिए तैयार रखा गया है। भारतीय सेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने शुक्रवार को कोटा में राहत अभियान चलाया जबकि राज्य आपदा मोचन बल के दलों ने बारिश प्रभावित अन्य इलाकों से लोगों को निकाला।

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने सोमवार 25 अगस्त और मंगलवार 26 अगस्त को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और राजकीय व गैर-राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित कर दिया है। जिला कलक्टर एवं आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने आदेश जारी किए। इसी तरह दौसा जिले में भी दो दिन स्कूल बंद रखने के निर्देश मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किए गए हैं। प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12वीं तक विद्यार्थियों के लिए यह अवकाश रहेगा।

इन जिलों में येलो अलर्ट

श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, टोंक, सवाई माधोपुर, अलवर, जयपुर, सीकर, दौसा, भरतपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, जोधपुर, पाली, धौलपुर और करौली जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, आकाशीय बिजली गिरने और 20-30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका जताई गई है।

कमरे की छत गिरने से महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा जिले के सुल्तानपुर कस्बे में कमरे की छत गिरने से 30-वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोटा के एक अस्पताल के शवगृह में सहायक उप-निरीक्षक विजेंद्र सिंह ने बताया कि घटना शनिवार रात हुई और मृतका की पहचान यास्मीन, जबकि घायल व्यक्ति की पहचान जावेद अख्तर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दंपति की चार साल की बेटी और उसके दादा-दादी चार कमरों वाले मकान के दूसरे कमरे में सो रहे थे और वे सुरक्षित हैं। एएसआई ने बताया कि यास्मीन की सुबह करीब पांच बजे कोटा के एमबीएस अस्पताल में मौत हो गई। छत गिरने की आवाज और परिवार के शोर मचाने पर पड़ोसी वहां पहुंचे और दंपति को पत्थर की सिल्लियों के नीचे दबा हुआ पाया। अनुमान जताया जा रहा है कि पिछले दिनों हुई लगातार बारिश के कारण छत कमजोर हो गई थी।

'फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज' के तहत पुलिसकर्मियों ने दिया जागरुकता का संदेश

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा में रविवार को 'फिटनेस की डोज-आधा घंटा रोज' के तहत पुलिसकर्मियों ने साइकिलिंग, योग, जुंबा और रस्सी कूद जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से फिटनेस और साइबर ठगी के प्रति जागरुकता का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में सिटी कंट्रोल रुम से शुरु हुई साइकिल रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर वापस आई। इस आयोजन में पुलिसकर्मियों, उनके परिवार, गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिंह ने बताया कि भारत सरकार के खेल मंत्रालय की पहल पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को रोजाना कम से कम आधा घंटा शारीरिक गतिविधि के लिए प्रेरित करना है। पुलिसकर्मियों की व्यस्त जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए पुलिस लाइन मैदान में नियमित रूप से योग, जुंबा और रस्सी कूद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले के जहाजपुर, शाहपुरा और कोटड़ी जैसे क्षेत्रों में भी इस पहल के तहत साइकिलिंग कार्यक्रम हुए।

डूंगरपुर में 'बाइकर गिरोह' पर नकेल कसने के लिए 'ऑपरेशन संस्कार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने डूंगरपुर जिले में 'बाइकर गिरोह' पर नकेल कसने के लिए ऑपरेशन 'संस्कार' शुरू किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत सोशल मीडिया पर नजर रखकर बाइकर गिरोह के सदस्यों को पकड़ा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कुछ समय पहले तक डूंगरपुर जिले में कई जगह सुपरबाइक की आवाजें सुनाई देते थीं।

कई किशोर 302, 007 और रफ़्तार जैसे नामों वाले गिरोह बनाकर सड़कों पर मोटरसाइकिल चला रहे थे। उन्होंने बताया कि वही युवा जो कभी रैप की धुनों पर नाचते हुए वीडियो पोस्ट करते थे, महिलाओं का पीछा करने, राहगीरों को परेशान करने, डकैती करने और पुलिस को धमकाने का दावा करते थे अब भजनों के साथ रील बना रहे हैं। यही नहीं वे यह भी कहते हैं कि उन्होंने 'बुरे कामों से तौबा' कर ली है और और अपने माता-पिता की सेवा करते हैं।

डूंगरपुर के पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि इस खतरनाक प्रवृत्ति और लोगों की लगातार शिकायतों को देखते हुए पिछले महीने जिले का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने युवाओं के अपराधीकरण को रोकने के लिए ऑपरेशन 'संस्कार' शुरू किया है। उस समय सोशल मीडिया मंच, खासकर इंस्टाग्राम ऐसे वीडियो से भरा पड़ा है जिनमें ये लड़के बाइक स्टंट करते, हथियार दिखाते, गैंगवार में एक-दूसरे का पीछा करते या खुली चुनौतियां देते दिखाई देते थे। हरेक 'लाइक' और 'कमेंट' से वे और भी दुस्साहसी हो रहे थे। 12 साल तक के बच्चे भी उन्हें देख रहे थे, उनकी प्रशंसा कर रहे थे और प्रेरित हो रहे थे।

पुलिस अधीक्षक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, युवा किस्तों पर पावर बाइक खरीद लाते और झुंड बनाकर लोगों का पीछा करने, डकैती, मारपीट और वाहनों पर पथराव जैसे अपराध करते।

ऐसी गतिविधियों की रील बनाकर वे अपने अपराध का ऑनलाइन महिमामंडन करते और कानून और पुलिस को चुनौती देते थे। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर युवा 18-24 साल के हैं। इन शरारती युवाओं के बारे में जनता से काफी शिकायतें मिल रही थीं। बच्चों पर इसका बुरा असर भी देखने को मिल रहा था।

दीया कुमारी विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में हुई शामिल

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को राजधानी जयपुर में विश्व बंधुत्व दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल हुई। दीया कुमारी ने यहां ब्रह्माकुमारी निवास विद्याधर नगर में आयोजित रक्तदान अभियान-2025 में भाग लिया जो यह कार्यक्रम विश्व बंधुत्व दिवस और राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति को समर्पित था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त कर रहा है और वसुधैव कुटुंबकम की भावना से विश्व बंधुत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने रक्तदान को 'महादान' बताते हुए कहा, आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद को जीवनदान दे सकता है। रक्त की एक-एक बूंद किसी के लिए नई सांस बन सकती है।

राजस्थान पुलिस के 'संडेज ऑन साइकिल' अभियान में सत्रह हजार से अधिक लोगों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पुलिस के राज्यव्यापी संडेज ऑन साइकिल अभियान के एक विशेष संस्करण में रविवार को इस आयोजन में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों सहित 17 हजार 200 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राजस्थान के विभिन्न जिला मुख्यालयों और पुलिस इकाइयों में आयोजित इस कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर जयपुर आयुक्तालय, जयपुर ग्रामीण, आरएसी और आरपीए में 1900 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसी तरह जयपुर रेंज के अन्य जिले अलवर, भिवाड़ी, दौसा, सीकर, खैरथल, कोटपूतली और झुंझुनूं जिलों साथ ही अलवर पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में 2100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जोधपुर आयुक्तालय, जीआरपी, प्रशिक्षण संस्थान, जोधपुर ग्रामीण और आरएसी में 2200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। जोधपुर रेंज के अन्य जिले बाड़मेर, जैसलमेर, फलोदी, बालोतरा, पाली, जालौर और सिरोही जिलों में 1000 से अधिक लोग शामिल हुए।

अजमेर पुलिस, जीआरपी और आरएसी में 300 से अधिक लोग शामिल हुए। अजमेर रेंज के अन्य जिले किशनगढ़ प्रशिक्षण संस्थान, भीलवाड़ा, ब्यावर, टोंक, नागौर, डीडवाना जिलों और आरएसी में 2100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इसी तरह भरतपुर पुलिस, आरएसी और प्रशिक्षण संस्थान में 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया। भरतपुर रेंज के अन्य जिले धौलपुर, करौली, हिंडौन, सवाईमाधोपुर, डीग और पहाड़ी प्रशिक्षण संस्थान में 1600 से अधिक लोग शामिल हुए।

बीकानेर पुलिस, आरएसी और प्रशिक्षण संस्थान में 1050 से अधिक लोगों ने भाग लिया। बीकानेर रेंज के अन्य जिले श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चुरू जिले के 900 से अधिक लोग शामिल हुए। कोटा शहर, ग्रामीण पुलिस और आरएसी के 300 से अधिक लोग शामिल हुए। कोटा रेंज के अन्य जिले झालावाड़, बारां व बूंदी जिलों और झालावाड़ प्रशिक्षण संस्थान में 1250 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसी ताह उदयपुर पुलिस के 150 से अधिक लोग शामिल हुए। उदयपुर रेंज के अन्य जिले राजसमंद, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर जिलों एमबीसी खेरवाड़ा और एमबीसी डूंगरपुर में 1650 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि फिटनेस को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए तैयार हैं। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज का संदेश देना है और यह 'फिट इण्डिया मूवमेन्ट' का एक हिस्सा है, जिसे वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था जो 'खेलो इण्डिया' पहल का विस्तार है, जिसे गत वर्ष 17 दिसंबर को शुरू किया गया था। प्रधानमंत्री ने मन की बात के 117वें एपिसोड में भी इस पहल को मान्यता दी थी। इस आयोजन में साइकिलिंग के अलावा कई अन्य फिटनेस गतिविधियां भी शामिल थी, जैसे योग, जुम्बा, रन और रोप स्किपिंग, जिसने आम जनता का उत्साह बढ़ाया।

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में युवा पीढी की महती भूमिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर के जेल सर्किल स्थित महावर ऑडिटोरियम में जागा वंशलेखन समाज सेवा संस्था द्वारा आयोजित तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह2025 के कार्यक्रम में शिरकत कर समाज के 10वीं व 12वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने प्रतिभावान बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को मूर्त रूप प्रदान करने में हमारी युवा पीढी की महती भूमिका है तथा जो समाज आगे बढेगा वह आने वाले समय में तरक्की करने के साथ देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि जागा समाज के पास सभी समाजों की उद्गम आदि की कुंडली होती है इसलिए अपने बुजुर्गों की सौगात को बनाए रखे तथा अपनी युवा पीढी को भी इसके लिए प्रशिक्षित करें।

उन्होंने कहा कि युवा पीढी को स्किल व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर 'सबका साथ सबका विकास' की भावना से कार्य करना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है।

उन्होंने कहा कि अलवर में जागा वंशलेखन समाज की ओर से प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करना प्रेरणादायक है इससे बालक-बालिकाओं का उत्साहवर्धन होता है। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव लाने में शिक्षित बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है तथा कोई भी समाज बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित कर ही सही मायने में उन्नति कर सकता है। वर्तमान समय में बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ रही है तथा बेटियों को बेटों के समान अवसर प्रदान कर उनके सपनों को साकार करने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने जागा समाज द्वारा छात्रावास के लिए भूमि आवंटन की मांग पर कहा कि समाज के लोग नगर विकास न्यास में भूमि आवंटन हेतु आवेदन करें और छात्रावास के लिए भूमि आवंटित कराने का पूर्ण प्रयास किया जाएगा।

बीसलपुर बांध से पानी निकासी घटाई

जयपुर। जिले में स्थित बीसलपुर बांध में पानी की आवक एक दिन बाद ही कम पड़ने से सभी 6 गेटों से पानी निकासी शनिवार के मुकाबले रविवार सुबह आधी कर दी है। रविवार सुबह 6 बजे सभी 6 गेटों को एक-एक मीटर खोलकर सभी गेटों से प्रति सेकेंड 36 हजार 60 क्यूसेक पानी की निकासी बनास नदी में की जा रही है। जबकि रविवार सुबह 6 बजे से इससे पहले इन सभी गेटों को शनिवार से ही दो-दो मीटर खोलकर प्रति सेकेंड 72 हजार 120 क्यूसेक पानी निकासी की जा रही थी।

बीसलपुर बांध परियोजना के दएछ मनीष बंसल ने बताया कि पानी की आवक गत दिनों से बांध में कम होती जा रही है। इसके चलते बांध का जल स्तर 315.50 मेंटेन कर बांध से काफी कम पानी निकासी की जा रही है। त्रिवेणी का गेज भी शनिवार के मुकाबले आज घट गया है।

बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन पूरी गंभीरता से किया जा रहा : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर में विधानसभा क्षेत्र लूणी के ग्राम धांधिया में बजट घोषणा के अंतर्गत स्वीकृत लूणी से धांधिया डामर सड़क निर्माण कार्य (लागत 265 लाख रूपये) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संसदीय कार्य मंत्री ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें और कार्य की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं रखें। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने से ग्रामीण अंचल की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और आमजन को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में पूरी गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। सड़कों के सुदृढ़ नेटवर्क से क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

आध्यात्मिकता और विशिष्टता को निखारने का आध्यात्मिक केंद्र ब्रह्मकुमारीज आश्रम : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर में तिजारा फाटक पुलिया के ब्रह्मकुमारीज सेवा केंद्र पर राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की हौसला-अफजाई की तथा राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि को नमन कर विश्व शांति एवं सद्भाव की कामना की। वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ब्रह्मकुमारी एक वैश्विक आध्यात्मिक संस्था है जिसका मुख्य उद्देश्य मनुष्य की अलौकिकता, आध्यात्मिकता और विशिष्टता को निखारकर शांतिपूर्ण जीवन जीने और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा मनुष्यों को सहज राजयोग की विधि सिखाने के साथ-साथ परमपिता परमात्मा से जुड़कर अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत करने और उन्हें अपने जीवन में धारण करने का सुंदर अवसर प्रदान करने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने रक्तवीरों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है जो जरूरत पडने पर व्यक्ति को जीवनदान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा की भावना से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय कदम है जिससे हमारी युवा पीढी को जीवमात्र की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी।

असम में हर्ष मंदर और प्रशांत भूषण जैसे लोग 'अशांति फैलाने' पहुंचे हैं : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मार्घेरिटा (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस, जमात-ए-इस्लामी-हिंद तथा हर्ष मंदर एवं प्रशांत भूषण जैसे बुद्धिजीवी और पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के कुछ तत्व राज्य को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ''कुछ लोग'' शनिवार से ''अशांति फैलाने'' के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं लेकिन सरकार ऐसे सभी प्रयासों को विफल करने के लिए पैनी नजर रख रही है।

शर्मा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, असम में, कांग्रेस, जमात-ए-इस्लामी-हिंद, प्रशांत भूषण, हर्ष मंदर और उनके जैसे बुद्धिजीवी तथा पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के कुछ तत्व हमारे राज्य को कमज़ोर करने के इरादे से सक्रिय हैं। उन्होंने कहा, हम सभी असमियों और भारतीयों को इस साजिश को हराने के लिए एकजुट होना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण कल से अलग-अलग जगहों का दौरा कर रहे हैं। जवाहर सरकार, वजाहत हबीबुल्लाह और फयाज शाहीन समेत ऐसे ही लोगों का एक और समूह भी निचले असम के जिलों का दौरा कर रहा है। वे बस अशांति का माहौल बनाने के लिए असम में अल्पसंख्यक समुदाय और जमात-ए-इस्लामी के नेताओं से मिल रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि उनकी गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ''वे एनआरसी के दिनों की तरह कामयाब न हों।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कल जमात-ए-हिंद द्वारा मेरी बर्खास्तगी की मांग को लेकर किए गए हंगामे के बाद दिल्ली की एक टीम - हर्ष मंदर, वजाहत हबीबुल्लाह, फयाज शाहीन, प्रशांत भूषण और जवाहर सरकार - अब असम में डेरा डाले हुए है।

शर्मा ने आरोप लगाया कि उनका एकमात्र उद्देश्य वैध बेदखली को तथाकथित ''मानवीय संकट'' के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा, यह कुछ और नहीं बल्कि अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर करने का एक सुनियोजित प्रयास है। हम सतर्क और दृढ़ हैं - कोई भी दुष्प्रचार या दबाव हमें अपनी भूमि और संस्कृति की रक्षा करने से नहीं रोक पाएगा।

पीएम, सीएम, मंत्रियों को हटाने वाले विधेयकों पर खरगे ने आरोप लगाया

'वोट चोरी' के बाद 'सत्ता चोरी' में जुटी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी गिरफ्तारी को हथियार बनाकर 30 दिनों के भीतर विपक्षी सरकारों को गिराने और लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए विधेयक लाकर वोट चोरी के बाद अब सत्ता चोरी में जुटी है।

खरगे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयक नागरिकों से अपनी सरकार चुनने या हटाने का अधिकार छीन लेते हैं तथा यह शक्ति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी संस्थाओं को दे देते हैं। उन्होंने कहा, यह लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है।

खरगे ने यहां इंदिरा भवन में हरियाणा और मध्यप्रदेश की जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्षों के साथ बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में यह टिप्पणी की। उन्होंने जिला कांग्रेस प्रमुखों को बूथ और मंडल समितियों के गठन में विशेष सावधानी बरतने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इन समितियों के सदस्य पार्टी के प्रति वफादार हों और कांग्रेस की विचारधारा से न भटकें। खरगे ने कहा, जिला अध्यक्ष अपने अधीन ब्लॉक समिति बनाता है। वह मंडल और बूथ समितियां बनाता है। जब आप ये समितियां बनाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इसमें शामिल सभी सदस्य पार्टी के प्रति वफादार और मेहनतकश हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे कांग्रेस की विचारधारा से न भटकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें अगर कोई प्रलोभन भी दे, तो भी पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा न डगमगाए।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने अपने मजबूत संगठन के कारण लंबे समय तक देश पर शासन किया और मंत्रियों के लिए यह जरूरी था कि वे जब भी किसी जिले में जाएं, तो सबसे पहले जिला अध्यक्ष से संपर्क करें। उन्होंने हरियाणा और मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस प्रमुखों से कहा, जिला अध्यक्ष कांग्रेस संगठन की सबसे मजबूत कड़ी है। यदि राज्य में सरकार बनानी है, तो उम्मीदवार को विधानसभा के लिए निर्वाचित करवाने में उनकी अहम भूमिका होती है। अगर देश में सरकार बनानी है, तो लोकसभा चुनाव जीतने के लिए आपके समर्थन की जरूरत होती है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, बीच में इस परंपरा में थोड़ा बदलाव आया। मंत्री अपने पसंदीदा लोगों को जिला अध्यक्ष बनाने लगे। योग्यता और विचारधारा को नजरअंदाज किया जाने लगा। राहुल (गांधी) जी और मुझे यह अहसास हुआ कि संगठन को मजबूत किए बिना, जिला अध्यक्षों को महत्व दिए बिना, हम मजबूती से सत्ता में वापसी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी थी कि किस तरह कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर एक साजिश के तहत रणनीतिक तरीके से वोट चुराए गए। खरगे ने कहा, हमें यह सब छह महीने के अध्ययन के बाद पता चला। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया। अब पूरा देश इसे समझ रहा है। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग के विमर्श को उच्चतम न्यायालय में झटका लगा।

संसद के हाल में संपन्न मानसून सत्र के बारे में बोलते हुए खरगे ने कहा कि विपक्ष चाहता था कि संसद चले और जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हो, लेकिन भाजपा सरकार नहीं चाहती थी कि एसआईआर और वोट चोरी जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा हो।

केंद्र क्षेत्रीय दलों में विद्रोह भड़काने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाया : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पद से हटाने से संबंधित विधेयक संसद में इसलिए पेश किए हैं, ताकि विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा सके और क्षेत्रीय दलों के भीतर विद्रोह भड़काया जा सके। यादव ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम राजनीति से प्रेरित है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने यहां सपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, यह सरकार विपक्षी नेताओं को परेशान करना चाहती है, क्षेत्रीय दलों पर दबाव बनाना चाहती है और उनके भीतर विद्रोह भड़काना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह विधेयक पेश किया है, ताकि वह चुनावों के दौरान कैसे डकैती करते हैं और वोट चोरी करते हैं। सपा प्रमुख ने सत्तारूढ़ दल पर अपने ही नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामलों को चुनिंदा तरीके से वापस लेने और प्रतिद्वंद्वियों को दबाने के लिए कानूनी कार्रवाई का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। यादव ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) को पता था कि यह विधेयक एक न एक दिन आएगा, इसीलिए अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस ले लिए। अपने तो लिए ही लिए, उप मुख्यमंत्री के खिलाफ भी मुकदमे वापस ले लिए। जो इस विधेयक को ला रहे हैं, उन्होंने कई जगह स्वीकार किया कि उन पर झूठे मुकदमे लगे थे, उन्हें फंसाया गया था। अगर उन्हें झूठे मामलों में फंसाया जा सकता है, तो कल किसी और को भी फंसाया जा सकता है। सपा प्रमुख ने पार्टी नेताओं के जेल जाने के उदाहरण दिए, जिनमें मोहम्मद आजम खान, पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति, पूर्व विधायक इरफान सोलंकी और विधायक तथा पूर्व सांसद रमाकांत यादव का नाम लिया। उन्होंने कहा, देखिए कैसे हमारे नेताओं को सालों से जेल भेजा जा रहा है। यह सत्ता के दुरुपयोग को दर्शाता है। यादव ने दोहराया कि उनकी पार्टी इस विधेयक का कड़ा विरोध करती है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों और क्षेत्रीय राजनीतिक आंदोलनों पर हमला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए बुधवार को लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए थे, जिसका विपक्षी सांसदों ने कड़ा विरोध किया और मसौदा कानून की प्रतियां फाड़ दीं। ये तीन विधेयक हैं: केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025।

असम के मुख्यमंत्री अवैध गतिविधियों में लिप्त: प्रशांत भूषण

गुवाहाटी/भाषा। वकील प्रशांत भूषण ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हर तरह की 'अराजक व अवैध गतिविधियों' में लिप्त हैं और बाहरी दुनिया से 'इस लूट' को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

भूषण ने कहा कि शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार लोगों को यह जानने से 'रोक' रही है कि राज्य में क्या हो रहा है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि हिमंत विश्व शर्मा की असम सरकार नागरिकों को अवैध रूप से बांग्लादेश व इस देश के बाहर भेजने, लोगों को उनकी जमीन से अवैध रूप से बेदखल करने, उनके घरों को अवैध रूप से ध्वस्त करने जैसी हर तरह की अराजक व अवैध गतिविधियों में लिप्त है। भूषण ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार आदिवासियों की कृषि उपज वाली जमीनों को अदाणी समूह और अन्य कंपनियों को 'अवैध' रूप से सौंपने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, राज्य में लूट मची हुई है और मुख्यमंत्री इसे छिपाना चाहते हैं। इसलिए वह लोगों को रोकना चाहते हैं। इससे पहले, शर्मा ने दावा किया था कि कांग्रेस, जमात-ए-इस्लामी-हिंद, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण, वजाहत हबीबुल्ला, फयाज शाहीन और जवाहर सरकार जैसे बुद्धिजीवी पाकिस्तान और बांग्लादेश के कुछ तत्वों के साथ मिलकर राज्य को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग 'गोदी आयोग' बन गया है : तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया (बिहार)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को निर्वाचन आयोग पर ''भारतीय जनता पार्टी के एक प्रकोष्ठ'' के रूप में काम करने का आरोप लगाया और कहा कि निर्वाचन आयोग ''गोदी आयोग'' बन गया है।

तेजस्वी यादव बिहार के अररिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दीपांकर भट्टाचार्य और 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों के अन्य प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यादव ने कहा, निर्वाचन आयोग अपनी विश्वसनीयता खो चुका है... बिहार में मतदाता सूची का उसका विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। यह लोगों के वोट चुराने का प्रयास है। निर्वाचन आयोग भाजपा के एक प्रकोष्ठ के रूप में काम कर रहा है... यह 'गोदी आयोग' बन गया है... इसके अधिकारी भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। यादव ने कहा, हम निर्वाचन आयोग को बिहार में आगामी चुनाव में भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए वोट चुराने नहीं देंगे। यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'घुसपैठियों' वाले हालिया बयान की भी आलोचना की और उन पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। यादव ने कहा, शुक्रवार को गयाजी में एक जनसभा में प्रधानमंत्री का ''घुसपैठियों'' वाला बयान एक झूठ है...वह झूठ फैला रहे हैं। बिहार की जनता भाजपा और उसके सहयोगियों को घुसपैठिया कहने के लिए करारा जवाब देगी। राजद नेता यादव ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय में अपने हलफनामे में एसआईआर के दौरान अवैध प्रवासियों का पता लगने के एक भी मामले का उल्लेख नहीं किया है, जबकि प्रधानमंत्री और भाजपा के अन्य नेता विधानसभा चुनाव से पहले वोट चुराने के लिए ''घुसपैठियों'' का मुद्दा उठाते हैं। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा, अपनी विश्वसनीयता के क्षरण के लिए निर्वाचन आयोग स्वयं जिम्मेदार है। 'केंद्रीय निर्वाचन आयोग' अब 'केंद्रीय चुनौती आयोग' कहलाने लायक है। निर्वाचन आयोग की एसआईआर कवायद संविधान पर सीधा हमला है।

बिहार के अररिया में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान राहुल, तेजस्वी ने मोटरसाइकिल की सवारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पूर्णिया (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव रविवार को 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार होकर पूर्णिया जिले के अररिया की सड़कों से गुजरे। कुल 1,300 किलोमीटर की यह यात्रा 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई थी। यह 16 दिन की अवधि में 20 से अधिक जिलों से होकर गुजरेगी और एक सितंबर को पटना में एक रैली के साथ समाप्त होगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी और यादव यात्रा के अररिया पहुंचने पर मोटरसाइकिल चलाते नजर आए और दोनों नेताओं को देखने के लिए सड़कों पर लोगों की कतारें लगी रहीं।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और राजद नेता बाद में अररिया में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के अन्य नेताओं के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी ने कटिहार जिले में शनिवार शाम एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गरीब तबकों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद कर दिए हैं और अब वह बिहार में ''वोट चुराने'' की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मानना है कि दलितों का उत्थान नहीं होना चाहिए, अति पिछड़ों को सामाजिक सीढ़ी पर ऊपर नहीं चढ़ने देना चाहिए और महिलाओं को अधिक स्वतंत्रता नहीं दी जानी चाहिए।

आदिवासियों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन नजरबंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता चंपई सोरेन को एक सरकारी स्वास्थ्य संस्थान के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आदिवासी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर कानून एवं व्यवस्था की समस्या से बचने के लिए रविवार को नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने रांची के नगरी इलाके में प्रस्तावित परियोजना स्थल से उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। हालांकि, इस दावे की पुष्टि के लिए पुलिस से संपर्क नहीं हो सका। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन को उनके समर्थकों के साथ एक थाने में हिरासत में रखा है। वह रांची जा रहे थे।

रांची (शहर) के पुलिस उपाधीक्षक के. वी. रमन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया,''आदिवासी संगठनों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर चंपई सोरेन को नजरबंद किया गया है। उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और महत्वपूर्ण स्थानों पर अवरोधक लगाये गए हैं। चंपई सोरेन ने इस कदम को अलोकतांत्रिक करार दिया और कहा कि आदिवासियों एवं उनके विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने के कारण उन्हें नजरबंद किया गया है। चंपई सोरेन के आवास पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने घोषणा की थी कि वह विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। झारखंड में 20 से अधिक आदिवासी संगठनों, किसानों और जमीन मालिकों ने रविवार को उस जगह पर विरोध प्रदर्शन 'हल जोतो, रोपा रोपो' का आह्वान किया था, जहां 1,074 करोड़ रुपए की लागत से राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)- 2 अस्पताल परियोजना प्रस्तावित है। रिम्स-2 का तात्पर्य राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के विस्तार से है, जो राज्य की एक प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा है। नगरी क्षेत्र की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगाये होने के बावजूद, विभिन्न गांवों से प्रदर्शनकारी, किसान और भूमि मालिक प्रस्तावित स्थल पर एकत्रित हुए, जिनके हाथों में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की तस्वीर और उनके संदेश 'हरवा तो जोतो ना यार...कैसे बचेगा?' वाले पोस्टर थे। कई प्रदर्शनकारी शिबू सोरेन का मुखौटा पहने दिखे, जो 'दिशोम गुरु' (भू नेता) के नाम से जाने जाते थे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें धरना स्थल से तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस के प्रतिरोध को दरकिनार करते हुए उन्होंने उस जमीन पर पौधे लगाए, जहां अस्पताल परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव है। हालांकि, इस दावे के बारे में टिप्पणी के लिए पुलिस से संपर्क नहीं हो सका। परियोजना स्थल नगरी की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगाये होने की वजह से राजगीरों को दिक्कतें हुईं।

तेलंगाना में नाबालिग आदिवासी लड़की से कथित सामूहिक दुष्कर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडम जिले में 17-वर्षीय एक आदिवासी लड़की ने आरोप लगाया है कि ऑटोरिक्शा में यात्रा करते समय दो अज्ञात लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया है।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की के मुताबिक, वह 22 अगस्त को छत्तीसगढ़ के कोंटा गई थी और एक ऑटोरिक्शा में सवार हुई थी, जिसमें दो लोग पहले से बैठे थे और उन्होंने उसे पेयपदार्थ दिया था, जिसे पीने के बाद वह बेहोश हो गई। बाद में उसे भद्राचलम एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) क्षेत्र में होश आया और उसने रविवार सुबह पुलिस को बताया कि दो व्यक्तियों ने उसका ''यौन शोषण'' किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक अपराध स्थल के संबंध में कोई स्पष्टता नहीं है और ''हमें विस्तार से सत्यापन करने की आवश्यकता है। अधिकारी के मुताबिक, पीड़िता को चिकित्सा जांच के लिए भेजा गया और बयान दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

राहुल ने अपनी शादी के बारे में हल्के-फुल्के अंदाज में कहा - 'बातचीत जारी है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को अपनी शादी के बारे में हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि इस बारे में बातचीत जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह बात राजद प्रमुख लालू प्रसाद द्वारा उन्हें पूर्व में दी गई विवाह की सलाह के संदर्भ में कही।

गठबंधन सहयोगी और पारिवारिक मित्र लालू प्रसाद ने करीब दो साल पहले राहुल गांधी को विवाह करने की सलाह दी थी। पचपन वर्षीय राहुल गांधी ने यह टिप्पणी बिहार के अररिया जिले में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान संवाददाता सम्मेलन में तब कही, जब प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को शादी करने पर विचार करने की सलाह दी। इस पर गांधी ने कहा कि उन्हें भी दो साल पहले तेजस्वी के पिता से ऐसा ही सुझाव मिला था। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार ने यादव से पासवान द्वारा राष्ट्रीय पार्टी को क्षेत्रीय पार्टी का ''पिछलग्गू'' बताकर राजद और कांग्रेस के बीच दरार डालने की कोशिशों के बारे में सवाल पूछा।

इसपर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा, मैं चिराग पासवान को उन्हीं की भाषा में जवाब दे सकता हूं, किसी पार्टी का नहीं, बल्कि एक व्यक्ति का हनुमान होने के उनके दावों का मजाक उड़ा सकता हूं।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान अक्सर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपनी निष्ठा की तुलना भगवान हनुमान की भगवान राम के प्रति भक्ति से करते रहे हैं।

यादव ने कहा, मैं इसपर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन उन्हें सलाह जरूर दूंगा कि हमारे बड़े भाई हैं जल्द से जल्द शादी कर लें।

राहुल गांधी, जिन्हें तेजस्वी यात्रा के दौरान लगातार 'बड़े भाई' कहते रहे हैं, ने माइक लिया और कहा, यह सलाह मुझ पर भी लागू होती है। उनके (तेजस्वी) पिता से बातचीत चल रही है।

मथुरा में संतान प्राप्ति की चाह में अनुष्ठान कराने गई महिला से तांत्रिक ने किया दुष्कर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले के नौहझील क्षेत्र में संतान प्राप्ति की चाह में अनुष्ठान कराने गई 35 वर्षीय एक महिला से एक स्वयंभू तांत्रिक द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने संवाददाताओं को बताया कि पीड़िता की शादी को आठ साल हो चुके हैं, लेकिन वह निःसंतान है, ऐसे में वह संतान प्राप्ति की चाह में तांत्रिक मुश्ताक अली (45) के पास गई थी। उन्होंने बताया कि तांत्रिक ने शनिवार को अनुष्ठान के बहाने उसे बुलाकर उससे कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि तांत्रिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 63 (बलात्कार) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी फिलहाल फरार है और पुलिस टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

भारतीय क्रिकेट में धैर्य और एकाग्रता की प्रतिमूर्ति रहे हैं पुजारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चेतेश्वर पुजारा ना तो विराट कोहली की तरह दिलकश कवर ड्राइव लगाते थे, ना ही रोहित शर्मा की तरह पुल शॉट लगाते थे, उनके पास ऋषभ पंत की तरह सांसे रोक देने वाले गिरते हुए हुक शॉट खेलने की भी क्षमता नहीं थी लेकिन टी20 क्रिकेट के युग में उन्होंने अपनी बेहतरीन तकनीक, मजबूत मानसिकता और अदम्य धैर्य के साथ टेस्ट क्रिकेट के हर पैमाने पर खुद को साबित किया। भारतीय टीम में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों के दौर के बाद कलात्मक बल्लेबाजों के बीच पुजारा 2013-14 से 2023 तक 100 से ज्यादा टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजी की धुरी बने रहे।

भारतीय क्रिकेट में उनका योगदान छक्कों या स्ट्राइक रेट से नहीं, बल्कि क्रीज पर बिताया समय, धैर्य और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमणों का दिलेरी से सामना करने से मापा जाता है। उस दौर में भारतीय बल्लेबाजी की तुलना अगर किसी भव्य इमारत से करें तो कोहली उसके वास्तुकार थे लेकिन इसकी नींव निश्चित रूप से चेतेश्वर पुजारा थे। धैर्य के साथ खेले जाने वाले टेस्ट क्रिकेट को पसंद करने वालों के लिए पुजारा उस दौर की याद दिलाते थे जब टी20 क्रिकेट का कोई अस्तित्व ही नहीं था। पुजारा के पिता अरविंद ने प्रथम श्रेणी के कुछ मैच खेले थे और सीमित संसाधनों के बावजूद चेतेश्वर के लिए उनके सपने बड़े थे। टी20 क्रिकेट की लोकप्रियता के बाद मौजूदा दौर के प्रशंसकों ने पुजारा की बल्लेबाजी को अप्रत्याशित रूप से अपरंपरागत करार दिया लेकिन दायें हाथ के इस बल्लेबाज के पिता ने बचपन में उनके दिमाग में यह बात बैठा दी थी टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है।

उनकी पत्नी पूजा ने अपनी किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ: एन अनयूजअल मेमॉयर' में संक्षेप में कहा है, चेतेश्वर पुजारा कम बोलने वाले और भावनाओं का कम इजहार करने वाले व्यक्ति हैं। अगर एक मुस्कान से काम चल सकता है तो वह बोलना पसंद नहीं करते। अगर एक वाक्य तीन शब्दों में खत्म हो सकता है, तो वह एक और शब्द जोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे। वह टीम के ऐसे 'भरोसेमंद' योद्धा थे जिसे आप युद्ध में जाते समय अपने साथ रखना चाहेंगे। जब कोहली ने कमान संभाली, तो पुजारा जानते थे कि उन्हें क्या करना है। गाबा में जब पंत ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी तो दूसरी ओर पुजारा ना सिर्फ क्रीज पर डटे रहे बल्कि तेज गेंदों की 11 गेंदें अपने शरीर पर झेली।

सुविचार

धैर्य वह गुण है जो हमें कठिनाइयों से गुजरने के दौरान सिखाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाखंड की साझेदारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों का जिक्र करते हुए इन दोनों देशों की सरकारों के पाखंड की खूब पोल खोली है। अमेरिका कहने को तो लोकतंत्र का बहुत बड़ा पैरोकार है, लेकिन इसने पाकिस्तानी फौजी तानाशाहों का हमेशा समर्थन किया और उनसे फायदा उठाया है। इन दिनों रूसी तेल आयात को लेकर भारत पर टैरिफ थोपने की धमकियां देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के उस सेना प्रमुख की पीठ थपथपा रहे हैं, जिस पर आतंकवाद को बढ़ावा देने और मानवाधिकारों की धज्जियां उड़ाने के बहुत गंभीर आरोप हैं। आज पाकिस्तान ट्रंप को नोबेल पुरस्कार दिलाने के लिए उनके सुर में सुर मिला रहा है। जो देश खुद अशांति और आतंकवाद का बहुत बड़ा प्रतीक है, वह शांति के गीत गा रहा है! इसने अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को पनाह दी थी। वह आतंकवादी पाकिस्तानी सैन्य अकादमी से 2 किलोमीटर से भी कम दूरी पर रह रहा था, जिसे 2 मई, 2011 को अमेरिकी नौसेना सील्स ने मार गिराया था। एस जयशंकर ने सत्य कहा है कि 'अमेरिका और पाकिस्तान का एक-दूसरे के साथ इतिहास रहा है। उस इतिहास को नजरअंदाज करने का भी उनका इतिहास रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब हमने ऐसी चीजें देखी हैं।' ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की जो दुर्दशा हुई, उसके सबूत मौजूद हैं। उसके आतंकवादी ठिकानों को भारतीय मिसाइलों ने बुरी तरह ध्वस्त कर दिया था। अगर पाकिस्तान कोई लोकतांत्रिक देश होता तो अब तक मुनीर का कोर्ट मार्शल हो जाता, लेकिन वे फील्ड मार्शल बन गए। ट्रंप भी आए दिन अनर्गल बयान देकर शांति का नोबेल पुरस्कार पाना चाहते हैं। उनके झूठे दावों को भारत ने कई बार खारिज किया है।

अब ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तानी जनरल की संगति में आकर उनके मुल्क में प्रचलित इस कहावत पर बहुत गंभीरता से अमल कर रहे हैं- 'इज्जत आनी-जानी शै है, बंदा ढीठ होना चाहिए'। अमेरिका ने जनरल अय्यूब खान का समर्थन किया था। जनरल ज़िया उल हक उसके आशीर्वाद के कारण ही पाकिस्तानी अवाम की छाती पर वर्षों मूंग दलते रहे थे। जब जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ की हुकूमत को उखाड़ फेंका था, तब अमेरिका ही था, जिसने उस फौजी तानाशाह पर खूब डॉलर बरसाए थे। अगर डोनाल्ड ट्रंप उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति होते तो मुशर्रफ के तख्तापलट में भी कोई 'अच्छाई' ढूंढ़ लेते। हालांकि वे कारगिल की पहाड़ियों से बुरी तरह शिकस्त खाकर लौटे मुशर्रफ से खुद के लिए नोबेल पुरस्कार के वास्ते समर्थन जरूर मांगते। वास्तव में अमेरिका और पाकिस्तान, दोनों एक-दूसरे के पाखंड को भलीभांति जानते हैं, लेकिन इनके स्वार्थ इतने गहरे हैं कि खुलकर जिक्र नहीं करते। पाकिस्तान ने वर्ष 1971 में (तब पूर्वी पाकिस्तान, आज बांग्लादेश) भयंकर नरसंहार किया था। क्या अमेरिका ने आज तक किसी पाकिस्तानी जनरल के खिलाफ आवाज उठाई? पाकिस्तानी फौज बलोचिस्तान में खून-खराबा कर रही है। वह पाकिस्तान के अस्तित्व में आते ही ऐसा करने लगी थी। क्या अमेरिका ने उसके किसी भी सैन्य अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया, जबकि वह किसी अन्य देश में छोटी-सी घटना के बारे में यह बयान देकर दबाव बनाने की कोशिश करता है कि 'हम करीब से नजर रख रहे हैं'? क्या वजह है कि अमेरिका जिस दूरबीन की मदद से 'करीब से नजर' रखता है, उसके लेंस पाकिस्तान की ओर घूमते ही धुंधले पड़ जाते हैं? उसे पीओके से लेकर पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादियों के ठिकाने दिखाई नहीं देते? वह कम से कम उन ठिकानों को ही देख ले, जिन्हें भारतीय सशस्त्र बलों ने तबाह कर दिया था! जहां पहले आतंकवादी साजिश रच रहे थे, वहां हमारी मिसाइलों ने 'शांति' कायम कर दी। अगर ट्रंप को किसी शांति पुरस्कार का सच्चा हकदार बनना है तो पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर ऐसी ही कार्रवाई करें।

ट्वीटर टॉक

करुणा, विश्व बंधुत्व, सद्भाव के दिव्य संदेश से ओत-प्रोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन प्रकाश पर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी मानव को जीवन में प्रेम, सच्चाई और सेवा के मार्ग पर चलना सिखाती है।

-मदन दिलावर

मां भारती के वीर सपूत, महान क्रांतिकारी, अमर शहीद शिवराम राजगुरु जी की जयंती पर शत-शत नमन! भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गाथा में उनका अदम्य साहस, देशभक्ति और बलिदान सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

आज दिल्ली विधानसभा भवन में आयोजित वीर विट्ठल भाई पटेल 'प्रथम निर्वाचित भारतीय स्पीकर' शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस में सहभागिता का सुअवसर मिला। इस दौरान वीर विट्ठल भाई जी पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

राष्ट्रभक्त की निर्भीकता

एक बार स्वामी विवेकानंद के कॉलेज के प्रिंसिपल डब्ल्यूडब्ल्यू हेस्टी कक्षा में आए। किसी प्रसंग पर उन्होंने पूछा, 'नरेन! यह बताओ नास्तिक कौन है?' नरेन ने कहा, 'सर, नास्तिक वह होता है जो अपने में विश्वास नहीं करता। ईश्वर में विश्वास नहीं करता।' फिर हेस्टी ने कुछ सोचकर कहा 'तो इसका अर्थ यह है कि ईश्वर कहीं नहीं है।' नरेन ने दृढ़तापूर्वक कहा, 'ईश्वर है सर। वह भारत के उन दरिद्र पंडित और दुर्बल लोगों में है जिन्हें कभी तुर्क और मुगल शासक नोचते रहे और आजकल आपकी सरकार नोच रही है।' निर्भीक उत्तर सुनकर हेस्टी चकित रह गए। उन्होंने कहा, 'मैंने सुदूर देशों का भ्रमण किया है, पर अभी तक मुझे कहीं भी ऐसा लड़का नहीं मिला, जिसमें तुझ जैसी प्रतिभा और संभावनाएं हों। तू जीवन में जरूर अपनी छाप छोड़ जाएगा।' छुट्टी के समय उन्होंने नरेन को अपने ऑफिस में बुलाया, फिर बड़े प्यार से बिठाते हुए कहने लगे, 'नरेन तुमने क्लास में जो कुछ कहा, वह बिल्कुल सच है। लेकिन मैं तुम्हें हिदायत देता हूं कि ऐसी बातें किसी और अंग्रेज के सामने मत कहना।' नरेन ने पूछा, 'क्यों सर?' हेस्टी साहब बोले, 'वह तुम्हारी रिपोर्ट कर देगा और सरकार तुम्हें जेल भेज सकती है।'

सामयिक

ऑनलाइन जुए के खेल पर पाबंदी

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

अखाड़ा बने संसद में हो-हल्ले के बीच भी कई जनहितैषी विधेयक पारित कराने में सरकार सफल रही है। इन्हीं में से एक ऑनलाइन खेल संवर्धन एवं विनियमन विधेयक-2025 को संसद के साथ राश्ट्रपति द्रोपदी मुर्म से भी मंजूरी मिल गई। यह एक अत्यंत जरूरी कानून है। क्योंकि कर्नाटक में 31 दिन के भीतर 32 लोग इन खेलों के चक्कर में आकर आत्महत्या कर चुके हैं। इस तथ्य को उजागार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि ऑनलाइन गेम्स में अंतर करना जरूरी है। ई-स्पोर्ट्स और सोषल गेम्स को अब हम बढ़ावा देंगे, परंतु ऑनलाइन मनी गेम्स यानी पैसे से खेले जाने वाले खेलों को पूरी तरह बंद करेंगे। इन खेलों से मध्यम श्रेणी के अनेक परिवार बर्बाद हो रहे हैं। जितने सख्त लहजे में वैष्णव ने यह बात कही है, उसी सख्ती से इस कानून को मैदान में अमल भी करवाने की जरूरत है।

इस विधेयक में मनी गेमिंग के विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। विज्ञापन देकर खेल खिलाने वाले खिलाड़ियों के साथ विज्ञापन को प्रस्तुत करने वाली हस्तियां और उत्प्रेरक भी अपराध के दायरे में आएंगे। इनके लिए अब कारावास और जुर्माना दोनों ही सजा झेलनी पड़ सकती हैं, क्योंकि यह जुआ व्यक्ति अधिक पैसा पाने की लालसा में खेलता है। अतएव टीवी, मोबाइल एप, सोषल मीडिया और वेबसाइट पर ऐसे खेलों का विज्ञापन करने पर दो साल तक की कैद और पचास लाख रुपए तक का अर्थदंड दिया जा सकता है। इन खेलों से संबंधित धन के लेन-देन को बढ़ावा देने पर तीन साल की कैद या एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, यदि कोई एक व्यक्ति बार-बार इस खेल में लगा रहता है तो तीन से पांच साल तक की सजा और दो करोड़ रुपए तक का अर्थदंड भुगतना पड़ सकता है।अब सरकार राष्ट्रीय प्राधिकरण के अंतर्गत ऑनलाइन खेले जाने वाले खेलों की वर्गीकरण करेगी। क्योंकि जुआ-सट्टा से जुड़े खेलों को भी प्रतिउत्पन्न मति अर्थात बुद्धिमत्ता आधारित खेल के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस खेल में जीतने वाले व्यक्ति को भाग्यशाली होने के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसलिए बुद्धि को बढ़ावा देने वाले खेल और पैसा लगाकर खेले जाने वाले खेलों को परिभाशित करके विभाजित किया जाएगा। खिलाड़ी को मालूम होना चाहिए कि मनोरंजन, बुद्धि विकास और शैक्षित खेलों में दांव या पैसे की बाजी नहीं लगाई जाती है। प्राधिकरण शैक्षिक और मनोरंजन खेलों के समर्थन में रहेगा। धन आधारित इस ऑनलादन खेल के 45 करोड़ लोग लति हो चुके हैं। ये लति 20 हजार करोड़ रुपए प्रति वर्श गंवा कर अपने परिवार को आर्थिक बदहाली में झोंक देते हैं। साफ है, समाज के लिए यह समस्या जटिल स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। अकेले जुपी एप पर इसके 15 करोड़ उपयोगकर्ता है। 1800 गेमिंग स्टार्टअप इंटरनेट पर चल रहे हैं। ऑनलाइन गेम का वैश्विक बाजार 3240 करोड़ का है। भारत सरकार ने इन खेलों से पांच साल के भीतर कर के रूप में 2600 करोड़ रुपए कमाए हैं। 2023 में ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया था। लेकिन अब देश के नागरिकों को इस समस्या से मुक्ति के लिए सरकार इन खेलों पर प्रतिबंध के लिए कानून ले आई है।

इंटरनेट के कारण दुनिया आदमी की मुट्ठी में आ गई है। इसके जितने लाभ हैं, उसी अनुपात में नुकसान भी देखने में आ रहे हैं। इस जंजाल में बड़े-बुजुर्ग और महिलाओं समेत बच्चे भी उलझते जा रहे हैं। कोरोना काल में घरों में ही रहने की बाध्यता के चलते ज्यादातर उपभोक्ताओं की मुट्ठी में स्मार्ट फोन आ गया और उसके लिए दुनिया का आकाश छू लेना आसान हो गया है। इस आसान उपलब्धि ने मर्यादा में रहने वाली भारतीय सामाजिक संरचना पर देखते-देखते बड़ा आघात कर दिया है। एक तरफ तो लोग ऑनलाइन जुए में अपनी पसीने से कमाई धन-संपदा गंवा रहे है, वहीं ठगी के षिकार होकर डिजीटल अरेस्ट के तहत तमाम लोग अपनी समूची चल-अचल

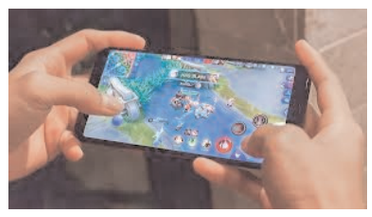

संपत्ति ठगों को भेंट कर चुके हैं। इसीलिए लंबे समय से इस तरह की जलसाजियों पर प्रतिबंध की मांग उठ रही थी। अब जाकर सरकार चेती है।

ऑनलाइन शिक्षा के बहाने ये विद्यार्थियों की मुट्ठी में भी स्मार्ट फोन आ गए हैं। इन फोनों में मनोरंजन एवं शैक्षिक खेलों के साथ अश्लील फिल्मों की उपलब्धि भी आसान थी। अतएव जो खेल भारत की समृद्ध संस्कृति, शारीरिक स्वास्थ्य और जीवन के विकास की अभिप्रेरणा थे, वे देखते-देखते भ्रम, ठगी, लालच और पोर्न का जादुई करिश्मा बनकर मन-मस्तिष्क पर छा गए। यहां तक की ब्लू व्हेल खेल में तो आत्महत्या का आत्मघाती रास्ता तक सुझाया जाने लगा। बच्चे लालच की इस मृग-मरीचिका के दृष्टिभ्रम में ऐसे फंसे कि धन तो गया ही, कईयों के प्राण भी चले गए। सोशल मीडिया की यह आदत जिंदगी में सतत सक्रियता का ऐसा अभिन्न हिस्सा बन गई है कि इससे छुटकारा पाना मुश्किल हो गया खेल-खेल में कुछ कर गुजरने की यह मनस्थिति भारत समेत दुनिया अनेक बच्चों की जान ले चुकी है। ऑनलाइन खेलों में पब्जी, रोबोलॉक्स, फायर-फैरी, फ्री-फायर भी प्रमुख खेल हैं। ये सभी खेल चुनौती और कर्त्तव्य के फरेब से जुड़े हैं। इन खेलों में दृध और पानी पीने की सरल चुनौतियों से लेकर कई घंटे मोबाइल पर बने रहने, मित्रों से पैसे उधार लेने, छत से कूदने, घुटनों के बल चलने, नमक खाने और बर्फ में रहने तक की चुनौतियां शामिल हैं। ऑनलाइन शिक्षा के बढ़ते चलन के चलते विद्यार्थियों की मुट्ठी में एनरॉयड मोबाइल जरूरी हो गया है। मनोविज्ञानी और समाजशास्त्री इसके बढ़ते चलन पर निरंतर चिंता प्रकट कर रहे हैं। पालक बच्चों में खेल देखने की बढ़ती लत और उनके स्वभाव में आते परिवर्तन से चिंतित व परेषान हैं। पालक बच्चों को मनोचिकित्सकों को तो दिखा ही रहे हैं, चाइल्ड लाइन में भी षिकायत कर रहे हैं। दरअसल बच्चों का मोबाइल या टेबलैट की स्क्रीन पर बढ़ता समय आंखों में दृष्टिदोष पैदा कर रहा है। साथ ही अनेक शारीरिक और मानसिक बीमारियों की गिरफ्त में भी बच्चे आ रहे हैं। पोर्न फिल्में भी देखते बच्चे पाए गए हैं।

ऑनलाइन खेल आंतरिक श्रेणी में आते हैं, जो भौतिक रूप से मोबाइल पर एक ही किशोर खेलता है, लेकिन इनके समूह बनाकर इन्हें बहुगुणित कर लिया जाता है। वैसे तो ये खेल सकारात्मक भी होते हैं, लेकिन ब्लू व्हेल, पब्जी जैसे खेल उत्सुकता और जुनून का ऐसा मायाजाल रचते हैं कि मासूम बालक के दिमाग की परत पर नकारात्मकता की पृष्ठभूमि रच देते हैं। मनोचिकित्सकों और स्नायु वैज्ञानिकों का कहना है कि ये खेल बच्चों के मस्तिष्क पर बहुआयामी प्रभाव डालते हैं। ये प्रभाव अत्यंत सूक्ष्म किंतु तीव्र होते हैं, इसलिए ज्यादातर मामलों में अस्पष्ट होते हैं। दरअसल व्यक्ति की आंतरिक शक्ति से आत्मबल दृढ़ होता है और जीवन क्रियाशील रहता है। किंतु जब बच्चे निरंतर एक ही खेल खेलते है तो दोहराव की इस प्रक्रिया से मस्तिष्क कोशिकाएं परस्पर घर्षण के दौर से गुजरती हैं, नतीजतन दिमागी द्वंद्व बढ़ता है और बालक मनोरोगों की गिरफ्त में आ जाता है। ये खेल हिंसक और अश्लील होते है, तो बच्चों के आचरण में आक्रामकता और गुस्सा देखने में आने लगता है। दरअसल इस तरह के खेल देखने से मस्तिष्क में तनाव उत्पन्न करने वाले डोपाइन जैसे हार्मोनों का स्राव होने लगता है। इस द्वंद्व से भ्रम और संशय की मनस्थिति निर्मित होने लगती है और बच्चों का आत्मविश्वास छीजने के साथ विवेक अस्थिर होने लगता है, जो आत्मघाती कदम उठाने को विवश कर देता है। हालांकि डोपाइन ऐसे हारमोन भी सृजित करता है, जो आनंद की अनुभूति के साथ सफलता की अभिप्रेरणा देते हैं। किंतु यह रचनात्मक साहित्य पढ़ने से संभव होता है। बहरहाल इस ठगी पर लगाम भारत सरकार ही लगा सकती थी, जो उसने देर आए, दुरुस्त आए की तर्ज पर लगा भी दी।

विशेष

अखण्ड सौभाग्य का पर्व : हरतालिका तीज

डॉ. रीना रवि मालपानी

मोबाइल : 9039551172

शिव-शक्ति को गृहस्थ जीवन का आदर्श माना गया है। शक्ति स्वरूपा माता पार्वती ने सदैव शिव के गुणों का वरण किया है। शिव जी ही माता पार्वती के पति होंगे उक्त बात नारद जी द्वारा माता पार्वती को बताई गई थी। शिवजी को वर रूप में प्राप्त करने के लिए जगत जननी माँ पार्वती ने अत्यधिक कठिन तपस्या की। सप्त ऋषि भी उनकी परीक्षा लेने आए एवं माता पार्वती को शिव शंकर की वेशभूषा तथा दैनिक दिनचर्या का वर्णन किया और उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए उकसाया, परन्तु माता पार्वती तो श्रृद्धा एवं विश्वास की प्रतिमूर्ति है। वे शिवजी के कल्याण स्वरूप को पहचानती थी। सत्यम शिवम सुंदरम ही शिव का सत्य स्वरूप है। पार्वतीजी बाहरी आडम्बर के विरुद्ध भीतर की सच्चाई से परिचित थी।

शिव को करुणावतार कहा जाता है। शिव तो सच्चे हृदय के स्वामी है, तभी तो संसार की रक्षा के लिए विष को भी सहर्ष स्वीकार कर लेते है। भगवती तो अनंत शक्ति की प्रतिक है और माँ की कृपा तो जीवन को पूर्णता प्रदान करती है। वास्तव में इस मनुष्ययोनि में महेश और भवानी तो हमारे माता-पिता का ही स्वरूप है जो सदैव भक्तो को आशीष प्रदान करते है। उनका गृहस्थ जीवन माया से नहीं बल्कि जीवन में आनंद से सुशोभित है। शिव सदैव आनंद की अवस्था में विद्यमान रहते है। शिव परिवार तो सर्वत्र पूजा जाता है। यहाँ तक कि भोलेनाथ के पौत्र शुभ-लाभ भी पूजन के अधिकारी है। उन्हीं शिव-पार्वती का वरदान यदि गृहस्थ को मिल जाए तो जीवन में और कुछ पाना शेष नहीं रह जाता।

इस व्रत में निर्जल रहकर शिव-पार्वती की आराधना एवं पूजा की जाती है। विधि-विधान से पूजन किया जाता है। सुहागिन के साथ-साथ कन्याएँ भी इस व्रत को करती है और सुन्दर श्रृंगार से सुशोभित होती है। यह तीज-त्यौहार हमें ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करते है। हरतालिका तीज का व्रत एक बार प्रारम्भ करने के पश्चात जीवनपर्यन्त खंडित नहीं किया जा सकता है। हरतालिका तीज के विधान में वर्णित है कि माता पार्वती ने शिवजी का पार्थिव शिवलिंग बनाकर उसका पूजन-अर्चन किया तथा कठोर तपस्या की। उनकी इस तपस्या को महादेव ने स्वीकार किया और जन्म-जन्मान्तर तक शक्ति का ही अर्धांगिनी के रूप में वरण किया। शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप अत्यंत पूजनीय है, जिसमें शिव-शक्ति की समानता का दर्शन होता है। इस दिन शिव-पार्वती के नामों का उच्चारण एवं भजन-कीर्तन करना चाहिए। सोलह श्रृंगार का विधान इस पर्व में है। ईश्वर की भक्ति तो प्रत्येक परिस्थिति में कल्याण और कृपा का पात्र भक्त को बनाती है, बस हृदय में पवित्रता और शृद्धा-भक्ति होनी चाहिए। भक्ति में निर्मल भावों की प्रधानता होती है। भोलेनाथ और भवानी तो भक्तवत्सल है, जो गृहस्थ जीवन को सुखी एवं आनंदमय बनाने का आशीर्वाद प्रदान करते है।

नजरिया

हरतालिका तीज - स्त्रियों की आस्था एवं संकल्प का पर्व

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

हरतालिका तीज भारतीय संस्कृति और आस्था का वह पर्व है, जो केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं करता, बल्कि नारी-शक्ति, आत्मबल और समर्पण की गहन अभिव्यक्ति भी है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला यह व्रत उत्तर भारत, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड और नेपाल के अनेक हिस्सों में अत्यधिक श्रद्धा और उत्साह से संपन्न होता है। इस वर्ष यह तिथि 26 अगस्त 2025, मंगलवार को पड़ रही है। हरतालिका तीज को सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है। विवाहित महिलाएँ इस दिन निर्जला उपवास रखती हैं और अपने पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन की समृद्धि की कामना करती हैं। अविवाहित कन्याएँ भी यह व्रत करती हैं ताकि उन्हें योग्य वर की प्राप्ति हो। इस प्रकार यह पर्व केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्त्रियों के व्यक्तिगत अधिकारों और इच्छाओं की पूर्ति का माध्यम भी बनता है।

इस व्रत का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ा है। पौराणिक कथा के अनुसार, माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में देह त्यागने के बाद पर्वतराज हिमवान के घर पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लिया। बचपन से ही उनका हृदय भगवान शिव को पति रूप में पाने की चाह से भरा हुआ था। किंतु हिमवान, जिन्हें हिमनरेश की उपाधि दी गई थी, अपनी पुत्री का विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे। नारद मुनि के परामर्श पर जब यह प्रस्ताव सामने आया, तो हिमवान सहर्ष तैयार हो गए। यह समाचार पार्वती को गहन पीड़ा देने वाला था। अपनी इच्छा और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए वे अपनी सखी के साथ वन की ओर चली गईं। जंगल में पार्वती ने मिट्टी से शिवलिंग बनाकर कठोर तपस्या आरंभ कर दी। उनका यह संकल्प और तप

असाधारण था। तपस्या के इस अदम्य बल से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। भाद्रपद शुक्ल तृतीया के दिन ही दोनों का पावन विवाह हुआ। तभी से यह तिथि हरतालिका तीज के रूप में मनाई जाने लगी। इस व्रत का नाम भी इसी कथा से जुड़ा है। 'हरि' का अर्थ है हरण करना और 'तालिका' का अर्थ है सखी। क्योंकि पार्वती की सखी ने उनका हरण कर उन्हें वन में ले जाकर अनचाहे विवाह से बचाया था।

हरतालिका तीज के अवसर पर पूजा-विधान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रातः स्नान कर महिलाएँ स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। पारंपरिक रूप से हरे या लाल रंग की साड़ियाँ इस दिन शुभ मानी जाती हैं। पूजा स्थान पर चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर शिव-पार्वती और गणेश जी की प्रतिमाएँ या चित्र स्थापित किए जाते हैं। सबसे पहले गणेश जी की पूजा होती है और उसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की जाती है। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, चंदन और जनेऊ अर्पित किए जाते हैं, वहीं पार्वती को श्रृंगार सामग्री- सिंदूर, चूड़ियाँ, बिंदी, महावर, इत्र और कंघी समर्पित की जाती हैं। महिलाएँ इस दिन व्रत कथा का पाठ या श्रवण करती हैं और अंत में आरती करके प्रसाद अर्पित करती हैं। व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के बाद सात्विक भोजन के साथ किया जाता है। किसी भी धार्मिक अनुष्ठान का महत्व केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं होता। हरतालिका तीज का वास्तविक महत्व समाज और संस्कृति के गहरे आयामों से जुड़ा है। यह पर्व महिलाओं के सामूहिक उत्सव का दिन होता है। वे पारंपरिक श्रृंगार करती हैं, मेंहदी रचाती हैं, झूले झूलती हैं और एक-दूसरे के साथ लोकगीत गाती हैं।

यह पर्व स्त्री-शक्ति और आत्मबल का प्रतीक भी है। माता पार्वती की कथा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि स्त्री-सशक्तिकरण के रूप में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपनी इच्छा के विरुद्ध होने वाले विवाह को अस्वीकार कर अपने संकल्प और तपस्या से जीवन की दिशा स्वयं तय की। यह नारी आत्मनिर्णय, आत्मसम्मान और दृढ़ निश्चय का ऐसा संदेश है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्राचीन काल में था। आज के वैज्ञानिक और आधुनिक युग में भी हरतालिका तीज का महत्व कम नहीं हुआ है। स्वास्थ्य की दृष्टि से देखा जाए तो उपवास शरीर को डिटॉक्स करने का कार्य करता है, पाचन तंत्र को विश्राम देता है और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। वर्षा ऋतु के अंतिम चरण में यह उपवास संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव में भी सहायक सिद्ध होता है। मानसिक दृष्टि से भजन, कीर्तन और ध्यान से मन में शांति और सकारात्मक ऊर्जा आती है। सामूहिक अनुष्ठान सामाजिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाते हैं और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहलू भी है। पूजा में मिट्टी की प्रतिमाओं का उपयोग, बेलपत्र, पीपल, तुलसी और स्थानीय फूल-पत्तियों का प्रयोग प्रकृति-संरक्षण का संदेश देता है। यह परंपरा हमें बताती है कि धर्म केवल ईश्वर-भक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य प्रकृति और समाज के साथ संतुलन स्थापित करना भी है।

हरतालिका तीज का संदेश केवल इतना ही नहीं कि महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु की कामना करें, बल्कि इसका गहरा अर्थ यह है कि स्त्री जीवन शक्ति और त्याग का अद्भुत संगम है। इस व्रत के माध्यम से वह अपने भीतर के आत्मबल को पहचानती है और समाज को यह संदेश देती है कि विश्वास, धैर्य और समर्पण के साथ हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। आज जब जीवनशैली तेज़ हो गई है और परिवारों में समय और संवाद की कमी दिखाई देती है, तब हरतालिका तीज जैसे पर्व हमें पुनः सामूहिकता, एकता और पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटने का अवसर देते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल रस्म नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन का आधार हैं।

हरतालिका तीज का वास्तविक सौंदर्य इसी में है कि यह आस्था, स्वास्थ्य, पर्यावरण और संस्कृति का संगम है। यह पर्व स्त्री-शक्ति की उस अनंत धारा का प्रतीक है, जो हर युग में समाज को दिशा देती आई है। यही इसकी विशिष्टता है और यही भारतीय संस्कृति का अमर संदेश भी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बचपन में शर्मीला था, सोचा नहीं था अंतरिक्ष की यात्रा करूंगा: शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने रविवार को कहा कि वह बचपन में शर्मीले और संकोची स्वभाव के थे तथा राकेश शर्मा की 1984 की अंतरिक्ष यात्रा की कहानियों को सुनकर बड़े हुए हैं। राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री शुक्ला रविवार को स्कूली छात्रों से मिले और उन्हें प्रोत्साहित किया।

दिल्ली के सुब्रतो पार्क स्थित वायुसेना सभागार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्ला और 'गगनयान' मिशन के लिए चुने गए तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सम्मानित किया। अपने जानने वालों के बीच 'शुक्स' के नाम से चर्चित शुक्ला ने कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल होने के अपने सफर और 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने के अनुभवों एवं चुनौतियों को साझा किया। उन्होंने कहा, मैं शर्मीले और संकोची स्वभाव का व्यक्ति था। बचपन में हम राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा की कहानियां सुना करते थे। शुक्ला ने अपने जीवन में आए बदलाव का श्रेय भारतीय वायु सेना को देते हुए कहा कि सामान्य रूप से भारतीय वायु

सेना और विशेष रूप से कॉकपिट उनके जीवन में महान शिक्षक रहे हैं। मंच पर और मंच के नीचे हर कोई उन्हें सुनने के लिए, उनसे मिलने के लिए आतुर था तथा सभी मुक्त स्वर से उनकी प्रशंसा कर रहे थे। इस दौरान शुक्ला के व्यक्तित्व का दयालु और पारिवार का ख्याल रखने वाला पहलू भी सामने आया, जब सेल्फी और ऑटोग्राफ लेने वालों की उत्साहित भीड़ के बीच भी, वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे थे कि पत्नी और छोटा बेटा उनके पास ही रहें।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला (40) साधारण पृष्ठभूमि में पले-बढ़े। वह असैन्य परिवार से आते थे, लेकिन उन्होंने भारतीय वायु सेना में शामिल होने का फैसला किया। शुक्ला ने लगभग 30 मिनट के संबोधन में कहा, शुरू में मेरा रक्षा बल का हिस्सा बनने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन मैं वायु सेना में शामिल हो गया। मैंने एक फॉर्म भरा, जो मेरे दोस्त ने खरीदा था। अंततः चीजें आगे बढ़ती गईं और मैं एनडीए (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) में पहुंच गया। उन्होंने कहा कि वायुसेना का प्रशिक्षण आपको ''जीवन में आने वाली हर चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। देश के दूसरे अंतरिक्ष यात्री ने कहा, यह आपको जीवन के लिए तैयार करता है, यह आपको सफलता के लिए तैयार करता है।

शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने। वह 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत 20 दिनों के अंतरिक्ष प्रवास के बाद पिछले महीने अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ धरती पर लौटे। शुक्ला ने बृहस्पतिवार को 'साउथ ब्लॉक' में राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपनी अंतरिक्ष यात्रा, कक्षा में किए गए प्रयोगों और भारत के अग्रणी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम 'गगनयान' पर चर्चा की। शुक्ला ने अंतरिक्ष की कक्षा में रहते हुए ''सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण संबंधी चुनौतियों'' से जुड़े कुछ हास्य-व्यंग्यपूर्ण किस्से भी साझा किए।

भारत रूसी तेल की खरीद से जुड़ी ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से ले: निक्की हेली

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा है कि भारत को रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए और इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए व्हाइट हाउस के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

ट्रंप प्रशासन रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत की कड़ी आलोचना करता रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वाशिंगटन रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातक चीन की आलोचना नहीं कर रहा है। रूस से कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता हेली ने शनिवार को 'एक्स' पर चार दिन पहले न्यूजवीक के लिए लिखे अपने लेख का एक अंश पोस्ट किया। साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर ने सोशल मीडिया पर नई दिल्ली से रूसी कच्चे तेल पर राष्ट्रपति ट्रंप की चिंताओं को गंभीरता से लेने का आग्रह करते हुए यह पोस्ट ऐसे समय किया है जब इस लेख के बाद उन्हें अपनी पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा कि भारत को रूसी तेल पर ट्रंप की बात को गंभीरता से लेना चाहिए और समाधान खोजने के लिए व्हाइट हाउस के साथ काम करना चाहिए।

हेली ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, व्यापार संबंधी मतभेदों और रूसी तेल आयात जैसे मुद्दों से निपटने के लिए कठोर बातचीत की आवश्यकता है।

उनका लेख राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आए तनाव पर था। हेली को दोनों देशों के बीच शुल्क को लेकर तनाव के बीच भारत का पक्ष लेने के लिए अपनी पार्टी के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अपने लेख में कहा था कि भारत के साथ एक ''अहम स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार की तरह व्यवहार किया जाना चाहिए, न कि चीन जैसे विरोधी की तरह।

हेली ने लिखा, एशिया में चीनी प्रभुत्व को चुनौती देने वाले एकमात्र देश के साथ 25 वर्षों की गति को बाधित करना एक रणनीतिक आपदा होगा।

सिख गुरुओं ने अपना बलिदान देकर सनातन की रक्षा की : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सिख गुरुओं ने अपना बलिदान देकर सनातन की रक्षा की। योगी ने रविवार को यहां पैडलेगंज स्थित गुरुद्वारा में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास में वही जाति और कौम जीवित रहती है, जो अपने पूर्वजों के शौर्य, पराक्रम और बलिदान को जीवन का हिस्सा बनाती है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा, सिख गुरुओं ने सदैव सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता, त्याग और बलिदान देश की आत्मा में आज भी जीवित है।

इस अवसर पर उन्होंने पर्यटन विकास कार्यों, गुरुद्वारा भवन के नए स्वरूप और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार कार्यों का लोकार्पण किया।

पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व पर आयोजित समागम में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और संगत में शामिल हुए। गुरुद्वारा समिति की ओर से उन्हें प्रतीक चिह्न और शॉल ओढ़ाकर

सम्मानित भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं की परंपरा अनुपम और अटूट रही है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज तक, हर गुरु ने सनातन धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय संस्कृति पर संकट आया, सिख गुरुओं ने आगे बढ़कर अपने बलिदान से उसे बचाया। योगी ने विशेष रूप से गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके बलिदान के 350वें वर्ष में देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री आवास से नगर कीर्तन और कीर्तन पाठ के जरिये इस आयोजन की शुरुआत हुई। इसी तरह गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व पर भी मुख्यमंत्री आवास पर पहली बार गुरुवाणी का आयोजन हुआ था। योगी ने गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पैडलेगंज का यह गुरुद्वारा वर्षों से सिख संगत की आस्था का केंद्र रहा है। पहले यहां सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब पर्यटन विभाग और सरकार की मदद से इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। योगी ने गोरखपुर में सिख समुदाय की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन पूर्वी उत्तर प्रदेश के सिख समुदाय को एकजुट करने का अवसर है।

इस दौरान सांसद रवि किशन शुक्ला, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, कालीबाड़ी के महंत रवींद्र दास समेत गुरुद्वारा कमेटी के वरिष्ठ सदस्य एवं सिख समुदाय के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' पांच सितंबर को रिलीज होगी

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री नुसरत भरुचा आने वाली कॉमेडी फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' में नजर आएंगी और यह फिल्म पांच सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन जी अशोक ने किया है, जो 'पिल्ला जमींदार', 'भागमती' और 'सुकुमारुडु' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इसका निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है।

भरुचा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर फिल्म का एक पोस्टर अपलोड किया और यह खबर साझा की। पोस्टर पर लिखा है, ''प्यार में भोली... गुस्से में बंदूक की गोली।'' उन्होंने लिखा, ''हमारे नायकों से मिलिए। उफ्फ ये सियापा पांच सितंबर से सिनेमाघरों में।'' फिल्म में भरुचा के अलावा नोरा फतेही, सोहम शाह, ओमकार कपूर और शारिब हाशमी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

निर्माता के तौर सिने जगत में कदम रखेंगे मनीष मल्होत्रा

नयी दिल्ली/भाषा

सिने जगत में निर्माता के तौर पर पदार्पण करने के लिए तैयार डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपनी पहली फिल्म के नाम का ऐलान कर दिया है। गुस्ताख इश्क नाम की यह फिल्म नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिका में में होंगे। मल्होत्रा ने रविवार सुबह इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की।

उन्होंने बताया कि बचपन से ही उन्हें सिनेमा से गहरा लगाव रहा है। मल्होत्रा ने लिखा, बचपन से ही सिनेमा के प्रति मेरे दिल में गहरा इश्क़ रहा है। कहानियों का जादू, परदे की चमक, और वो भावनाएं जो पर्दे पर 'द एंड' आने के बाद भी दिल में रहती हैं इस प्यार ने मुझे गढ़ा है। और आज, उसी इश्क़ की बदौलत एक

सपना सच होते देखना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी है। फिल्म की पहली झलक सोमवार को देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा, इस साल नवंबर में एक निर्माता के रूप में मेरी पहली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस सोमवार मैं आपके साथ 'गुस्ताख इश्क' की पहली झलक साझा करूंगा। फिल्म का निर्देशन विभू पुरी कर रहे हैं जबकि संगीत विशाल भारद्वाज का है।

हिरासत

विवार को लखनऊ में 6,800 रिक्त पदों पर नियुक्ति को लेकर उपमुख्यमंत्री आवास के पास शिक्षक अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

प्रचार

बॉलीवुड अभिनेता जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा उज्जैन के श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में अपनी आगामी फिल्म परम सुंदरी के प्रचार के दौरान।

श्रद्धा कपूर के लिंकडिन अकाउंट को फर्जी बताया गया

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने लिंकडिन से अपील करते हुए कहा है कि उनके अकाउंट को फर्जी बताया गया है, जिसकी वजह से वह इसका इस्तेमाल नहीं कर पा रही हैं। हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में अंतिम बार नजर आयीं 38 वर्षीय श्रद्धा ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा किया। श्रद्धा कपूर ने लिंकडिन को टैग करते हुए बताया कि उन्हें इस सोशल मीडिया मंच पर 'प्रोफाइल' बनाते समय कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने लिखा, प्रिय लिंकडिन, मैं अपना अकाउंट इस्तेमाल नहीं कर पा रही हूं क्योंकि लिंकडिन को लगता है कि यह फर्जी है। क्या कोई मेरी मदद कर सकता है।

अभिनेत्री ने कहा, अकाउंट बना, यह प्रीमियम और सत्यापित है, लेकिन कोई और इसे नहीं देख सकता। मैं अपनी उद्यमिता का सफर साझा करना चाहती हूं लेकिन

अकाउंट बनाना अपने आप में एक सफर बन गया है। फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में मुख्य किरदार निभाने वाले श्रद्धा ज्वेलरी ब्रांड 'पामोनास' की सह-संस्थापक और ब्रांड एंबेसडर हैं। इस ब्रांड की स्थापना 2022 में हुई थी। श्रद्धा की पिछली फिल्म 'स्त्री 2' पंद्रह अगस्त, 2024 को रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी थे। यह 2018 में आई फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल थी।

रेजिना कैसेंड्रा ने 'द वाइव्स' का पहला शेड्यूल पूरा किया

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'रॉकेट बॉयज' और 'जाट' फिल्म में दमदार किरदार निभाकर सुर्खियों में आने वाली अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइव्स' का पहला शेड्यूल खत्म कर लिया है। रेजिना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर 'पर्दे के पीछे' की कुछ मजेदार तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी थी। तस्वीर में वह काले रंग के स्टाइलिश आउटफिट में नजर आईं, उनके हाथ में 'द वाइव्स' लिखा क्लैपरबोर्ड था। रेजिना ने फिल्म की शूटिंग के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'द वाइव्स' के शेड्यूल को पूरा करना मेरे लिए एक रोलर-कोस्टर जैसा था। पिछले एक महीने से मैं हिंदी और तमिल के बीच संतुलन बना रही हूं। एक सफल शेड्यूल से दूसरे शेड्यूल की ओर बढ़ रही हूं। जहां बॉलीवुड में मैं मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' कर रही हूं, वहीं कोलिवुड (तमिल सिनेमा) में सुंदर. सी. के साथ 'मूकुथी अम्मन 2' की शूटिंग कर रही हूं। मुझे अलग-अलग दुनियाओं के बीच आना-जाना पसंद है। यही वो जिंदगी है जो मैंने अपने लिए चाही थी। मैं अपने सपने को जी रही हूं। बता दें, फिल्म 'द वाइव्स' का निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार्स की पत्नियों की चमकदार लेकिन उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी को दिखाती है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि इन स्टार वाइव्स की जिंदगी के पीछे क्या-क्या छुपे हुए सच, बड़े विवाद और उनकी शाही लाइफस्टाइल होती है।

मिस्ट्री प्रोजेक्ट अलर्ट : मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने फिल्म सेट से दिया हिंट

मुंबई/एजेन्सी

अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच, मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने एक नई बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) झलक साझा कर फैंस को उत्साहित कर दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक विशाल प्रोडक्शन सेट दिखाई दे रहा है, जहां भारी लाइटिंग रिग्स, जटिल वेंटिलेशन सिस्टम और क्रू मेंबर्स की भीड़ मौजूद है, जो किसी बड़े प्रोजेक्ट की ओर इशारा कर रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा: यह एक हाउसफुल है जिससे यह साफ है कि यह एक मज़ेदार टीज़र है जो लोगों की जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है। साल 2025 में 'मालिक' और 'तेहरान' जैसी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाकर मानुषी ने

दर्शकों का ध्यान खींचा और सराहना भी बटोरी। अब तक उन्होंने जो प्रोजेक्ट्स चुने हैं, वे अलग-अलग जॉनर में रहे हैंऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि उनका अगला प्रोजेक्ट भी कुछ अनोखा होगा।

क्या वह किसी हाई-कॉन्सेप्ट वेब सीरीज़ का हिस्सा हैं? या फिर किसी पीरियड ड्रामा में नज़र आने वाली हैं जिसमें एक बड़ा स्टारकास्ट हो? या शायद कोई हाई-एंड फैशन कमर्शियल जिसमें सिनेमा जैसा फील हो? बैकग्राउंड में नजर आने वाला विंटेज स्टाइल सेट और विशाल स्केल का प्रोडक्शन किसी म्यूज़िक वीडियो या इंटरनेशनल कोलेबरेशन की ओर भी इशारा कर सकता है।

हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और फैन फोरम्स पर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। चाहे यह फिल्म हो या किसी लग्ज़री ब्रांड का एंडोर्समेंट, एक बात तो तय हैमानुषी छिल्लर अपने फैंस को कयास लगाने पर मजबूर करना अच्छे से जानती हैं। जब तक इस रहस्यमयी प्रोजेक्ट से पर्दा नहीं उठता, तब तक सभी की नजरें उनके सोशल मीडिया और हर इढड हिंट पर टिकी रहेंगी।

मौत की झूठी खबर पर भड़के अभिनेता रजा मुराद, दर्ज कराई शिकायत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रजा मुराद ने अपनी मौत की झूठी खबर फैलने के बाद मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर उनकी मृत्यु के बारे में एक फर्जी पोस्ट वायरल हुई, जिसके कारण उन्हें और उनके परिवार को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। रजा मुराद ने स्पष्ट किया कि वह पूरी तरह स्वस्थ और जीवित हैं, लेकिन बार-बार ऐसी अफवाहों का खंडन करते-करते वह थक चुके हैं। रजा मुराद ने कहा, मैं अभी जिंदा हूं और पूरी तरह स्वस्थ हूं। यह बहुत दुखद है कि कुछ लोग बिना सोचे-समझे ऐसी अफवाहें फैलाते हैं। मैं इन अफवाहों पर बार-बार सफाई देते हुए थक गया हूं। यह न सिर्फ मेरे लिए, बल्कि मेरे परिवार और प्रशंसकों के लिए भी परेशानी का सबब बन गया है।

रजा मुराद ने कहा, लोगों को यह बताते-बताते मेरा गला, जीभ और होंठ सूख गए हैं कि मैं जीवित हूं। यह झूठी खबर हर जगह फैल गई है। मुझे दुनिया भर से फोन और संदेश आ रहे हैं। लोग मुझे पोस्ट की स्क्रीनशॉट भी भेज रहे हैं। उन्होंने इस तरह की अफवाहों को 'शर्मनाक' करार देते हुए इसे फैलाने वालों की मानसिकता पर सवाल उठाया। उनके अनुसार, ऐसा काम वही लोग करते हैं जो जीवन में कुछ हासिल नहीं कर पाते और सस्ती लोकप्रियता के लिए ऐसी हरकतें करते हैं।

उन्होंने इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार, रजा मुराद की शिकायत के आधार पर अंबोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल पोस्ट और उसके पीछे के लोगों की पहचान करने के लिए साइबर सेल की मदद ली है। रजा मुराद अपनी दमदार आवाज और प्रभावशाली अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'पद्मावत', 'बाजीराव मस्तानी' और 'जोधा अकबर' में यादगार किरदार निभाए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 25-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अनुपम धर्म को पाकर भी फल की इच्छा करना व्यर्थ है। किसी भी दबाव में आए बिना आत्मा के शुभ परिणाम से इस दूषण को छोड़ें। हमें सही-गलत के लिए शिक्षा ग्रहण नहीं करनी है बल्कि आगे बढ़ने के लिए करनी है। जहां समता आएगी, वहां धर्म के फल में संशय पैदा नहीं होगा। मिथ्या दृष्टि देवों के बाह्य, व्यवहारिक दिखते हुए दान आदि गुणों की प्रशंसा करना, वह मिथ्या मत की प्रशंसा करने के समान है।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में अभा तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में, प्रेक्षा कल्याण वर्ष में, आयोजित कार्यशाला 'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं' का पहला सत्र 23 अगस्त को कोयंबतूर तेरापंथ भवन में रखा गया। सूरत से आए उपासक कांतिलाल कावडिया और फूलचंद छत्रावड के उपस्थिति में बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे। महिला मंडल की अध्यक्ष रूपकला भंडारी ने सभी का स्वागत किया। प्रेक्षा ध्यान विशेषज्ञ मंजू घोषल ने ध्यान प्रयोग करवाया। डॉ. उर्वशी लुणिया ने 'खानपान का हो ध्यान तो नींद हो आसान' विषय पर प्रकाश डाला। वंदना पारख ने नींद के रहस्यों के बारे में बताया। उपासक कांतिलाल कावडिया ने भी इस विषय पर आध्यात्मिक दृष्टिकोण से अपने विचार प्रकट किया। आभार ज्ञापन स्थानीय मंडल की मंत्री रेखा मरोठी ने किया। संचालन वंदना पारख ने किया।

अणुव्रत है उजाला तुलसी का उपकार : साध्वीश्री उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट में जैन तेरापंथ स्कूल में पर्युषण पर्व का पाँचवाँ दिन अणुव्रत चेतना दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री उदितयशाजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा–अणुव्रत है उजाला, तुलसी का उपकार। उन्होंने नैतिक जीवन जीने में मुख्य तीन बाधक है –विलासिता – अल्पआय– बहुव्यय स्वाभाविक अपेक्षा के बदले कृत्रिम अपेक्षा को अधिक महत्व देना। उन्होंने आगे बताया कि जब तक इन बिंदुओं पर मनन नहीं होगा, तब तक नए मानव का निर्माण संभव नहीं और व्यक्ति पूर्ण अणुव्रती नहीं बन पाएगा। भगवान महावीर के 16वें भव पर सुंदर वर्णन दिया।

इस अवसर पर साध्वीश्री संगीत प्रभाजी ने प्रथम तीर्थंकर भगवान महावीर द्वारा प्ररूपित श्रावक धर्म और साधु धर्म के महत्व को बताते हुए श्रावक धर्म अर्थात् अणुव्रतों की साधना।

इसी सिद्धांत के आधार पर गुरुदेव तुलसी ने नैतिक उत्थान के अभियान के रूप में अणुव्रत आंदोलन का शुभारंभ दिल्ली से किया।

साध्वीश्रीजी ने कहा–अणुव्रत असांप्रदायिकता की पहचान है, जो सभी धर्मों को एक सूत्र में बाँधता है।

पर्युषण पर अनेक धार्मिक अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरएस पुरम् स्थित कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ भवन में रविवार को साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी के शिष्य साध्वीश्री क्षमाशीलाश्रीजी म.सा. के सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के पांचवे दिन स्नात्र पूजा, साध्वीश्री के व्याख्यान और कल्पसूत्र वाचन कार्यकम हुआ। प्रवचन में साध्वीश्री ने तीर्थंकर परमात्मा के 4 सपने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। भगवान का जन्म वाचन विधि विधान से किया गया। भगवान महावीर का जन्म हुआ तब उपस्थित लोग झूम उठे। सबका स्वागत संघ अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया, संचालन सचिव श्याम सुन्दर लूनिया ने किया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में 24 अगस्त को सुन्दरकांड पाठ करुर स्थित शंकरलालजी सुथार के निवास पर हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गणेश वंदना के बाद पाठ किया। मंडल के अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने सुथार परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। मंडल एक ऐसी संस्था है जो निस्वार्थ एवं निशुल्क पूरे तिरुपुर जिला में प्रत्येक रविवार को घर–घर जाकर भक्ति की प्रेरणा देकर सभी को धर्म के मार्ग पर लाने को प्रेरित करती है।

धर्म के फल की चाह करना भी अनुचित है : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के अवसर पर साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि धार्मिक आयोजन और धर्म स्थानों में त्यागी तपस्वियों को सर्वोच्च सम्मान और स्थान मिलना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों को स्थान प्रदान करना भी त्याग है। धर्म के प्रत्येक कार्य में अपना समर्थन और सहयोग होना चाहिए। आगम में श्रीकृष्ण का वर्णन आता है कि उन्होंने दीक्षा लेने वालों के परिवारों की पूरी जिम्मेदारी ली। धर्म के कार्य में हम भी विलंब न करें और अपने संकल्प को और मजबूत करें। धर्म के फल की चाह करना भी अनुचित है। चाह करना स्वार्थ है।भक्ति में माया झूठ कुछ नहीं होना चाहिए।

व्यसनमुक्त जीवन, खुशियों का उपवन : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि जैनों की संपन्नता की एक वजह उनकी व्यसनमुक्त जीवनशैली है। श्री जैन संघ, अरुम्बाक्कम द्वारा एमएमडीए कॉलोनी स्थित रुक्मणी विद्यालय में आयोजित पर्युषण व्याख्यानमाला के पाँचवें दिन रविवार को 'व्यसनमुक्त जीवन, खुशियों का उपवन' विषय पर डॉ. धींग ने कहा कि व्यसनमुक्ति से जीवन का सौभाग्य जाग जाता है। उन्होंने कहा कि जैनाचार्यों ने मांसाहार को भी एक व्यसन बताया है। आतंक, प्रदूषण और महामारियों का एक प्रमुख कारण मांसाहार है। जैन कवि तिरुवल्लुवर ने दो हजार साल पहले मांसाहार को क्रूरतापूर्ण, अधर्म और हेय बताया। तमिल नीति ग्रंथ तिरुकुरल के संदर्भ से डॉ. धींग ने कहा कि घी की आहुति देकर किए गए हजार यज्ञों से श्रेष्ठ है– जीवहत्या नहीं करना और मांसाहार नहीं करना। वस्तुतः अहिंसा सबसे बड़ा यज्ञ है। शाकाहार उसका आधार है। उन्होंने कहा कि शाकाहार सिर्फ जीवदया ही नहीं, अपितु मानवता की सेवा और धरती की रक्षा का सशक्त माध्यम है। स्वाध्याय संघ संयोजक प्रसन्न भंसाली ने जीवन की क्षणभंगुरता बताई। माला भंसाली ने आठवें आगम की महिमा बताई। युवा स्वाध्यायी प्रणत धींग ने डॉ. दिलीप धींग की कविता 'त्रिशला नंदन वीर की, जय बोलो महावीर की' सुनाकर सभा में भक्ति–रस घोल दिया। मंत्री जंबूकुमार पदावत ने बताया कि 31 अगस्त, रविवार को सामूहिक क्षमायाचना कार्यक्रम में स्वाध्यायियों का सम्मान किया जाएगा। सुनिल भंडारी के निवास पर श्राविकाओं ने प्रतिक्रमण किया। अध्यक्ष जसवंतराज कावड़िया ने धन्यवाद दिया।

स्वाध्याय भवन में भाद अमावस्या पर्व तप-त्याग पूर्वक मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट साहूकारपेट में स्थित स्वाध्याय भवन में भादप्रद कृष्ण अमावस्या पक्खी पर्व जप–तप–त्याग पूर्वक मनाया गया। आर नरेन्द्र कांकरिया व वीरेन्द्र ओस्तवाल द्वारा लाला रणजीत सिंह द्वारा रचित बृहद आलोयणा का पाठ किया गया।

पक्खी पाक्षिक पर्व पर स्वाध्यायी गौतमचन्द मुणोत, उच्छबराज गांग, शिखर छाजेड़, एच प्रकाशचन्द विशाल वीरेन्द्र ओस्तवाल, मनीष तातेड़, उम्मेदमल गौतमचन्द बागमार, नवरतन प्रसन्न नाहर, मोहनलाल सुरेशकुमार नरेन्द्र करण कांकरिया, विमलचंद महेन्द्रकुमार मनिष सुराणा, सूर्यप्रकाश कमल अरुण विकास चोरडिया, सुनील जिनेन्द्र सांखला राजेन्द्र महावीर शांतिलाल सुनील कर्णावट सहित अनेक श्रावकों ने सायंकालीन प्रतिक्रमण करते हुए सर्व जीव राशि से क्षमायाचना की। स्वाध्यायी योगेश श्रीश्रीमाल ने प्रतिक्रमण करवाया। जैन संकल्प, दैनिक संकल्प, गुरु भगवन्तों की सुखसाता पृच्छा पाठ, वन्दन के पश्चात मोहनलाल कांकरिया ने मांगलिक सुनाई। हेमन्त बाफना, वीरेन्द्र ओस्तवाल व नरेन्द्र कांकरिया ने रात्रिकालीन संवर किया।

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि भादप्रद अमावस्या पक्खी पाक्षिक पर्व के पावन प्रसंग पर स्वाध्यायी बन्धुवरों ने किलपाक में चातुर्मासार्त विराजित व्याख्यात्री महासतजी श्री सुमतिप्रभा म.सा. के दर्शन–वन्दन व प्रवचन श्रवण किए और सामायिक साधना करते हुए श्री वर्षाजी म.सा के मुखारविन्द से अंतगढ़ सूत्र एवं महासतीजी श्री सुमतिप्रभा म.सा, अंजना म.सा., सिन्धुप्रभा म.सा. के प्रेरणास्प्रद प्रवचनों को श्रवण किया। महासतीजी श्री सुमतिप्रभा म.सा. ने मांगलिक श्रवण करवाई।

जीवन में चुनौतियां ही महापुरुष बनाती हैं : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने रविवार को केशलोचन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चुनौतियों से किनारा काटने वाला, घबराने वाला मुंह मोड़ने वाला, पलायणवादी, कभी सफलता की मंजिल को प्राप्त नहीं कर सकता है। चुनौतियां व्यक्ति के अंदर अनंत शक्ति को जाग्रत करती है। ऊर्जावान बनती है निर्भीक और निडर बनने पर इम्यूनिटी पावर का संचार होता है। जो रोग नियंत्रण प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि जिनके जीवन में चुनौतियां नहीं आई वह महापुरुष नहीं बने, और जो चुनौतियों को चुनौती देते हुए भाग्य और भगवान के भरोसे ना रहते हुए संघर्ष मुकाबला किया वह सफलता को प्राप्त करते हुए दुनिया में अमर हो गए। मुनि कमलेश ने बताया कि चुनौती से आत्मबल मजबूत होता है, वह कभी घुटने नहीं टेकता है देव शक्ति दी उसको इरादे से हटा नहीं सकती। चुनौती ही अपने आप में धर्म साधना और भगवान का दूसरा रूप है। साधना और तपस्या के माध्यम से आत्मा की अनंत शक्ति का जागृत करते हुए उसका उपयोग चुनौतियों के मुकाबले में करें। भय, लोभ और स्वार्थ भी आपको कमजोर ना कर सके। अदम्य साहस के साथ मुकाबला करें सफलता आपके चरण चूमेगी। चुनौतियों की परीक्षा के दौर से गुजरे बिना सफलता का परिणाम प्राप्त नहीं हो सकता। मुनिश्री के केशलोचन प्रवचन सभा में हुआ उसे प्रभावित होकर दो भक्तों ने भी केश लोचन करवाया। भगवान महावीर के जन्म वाचन पर संस्कार मंत्र महिला शाखा ने नाटिका प्रस्तुत की। अध्यक्ष प्रकाश खिंवेशरा ने तपस्वी का स्वागत किया। महामंत्री डॉ संजय पिंचा ने संचालन किया।

भगवान महावीर जन्म वाचन महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान और आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज के पावन सान्निध्य में रविवार को पर्युषण महापर्व के पांचवें दिन भगवान महावीर का जन्म वाचन महोत्सव बड़े उत्साह और श्रद्धा से मनाया गया।

सुबह कल्पसूत्र का वाचन प्रारंभ हुआ, तत्पश्चात माता त्रिशला द्वारा देखे गये चौदह स्वप्नों की बोली लगाई गई, जिसमें धर्मप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लाभार्थी परिवारों द्वारा स्वप्न उतारे जाने के पश्चात अक्षत उछाले गए और जन्मकल्याणक के गीत गूंज उठे। महिलाओं ने प्रभु महावीर का झूला झुलाते हुए मंगल गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके उपरांत प्रभु की मंगल आरती उतारी गई।

अपने प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा तीर्थ में हमें जाना पड़ता है, लेकिन पर्व तो स्वयं हमारे पास आकर पावन कर देता है, ऐसा है पर्वाधिराज पर्युषण। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वप्न तभी शुभ फल देते हैं जब हृदय में दया और धर्म का वास हो।

सम्यक दर्शन ही आत्मा को प्रभु के दरबार तक ले जाता है। महावीर जन्म वाचन का यह दिन केवल स्मरण का अवसर ही नहीं बल्कि अहिंसा, सत्य और आत्म–संयम जैसे मूल्यों को जीवन में उतारने का संदेश भी देता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुनिसुव्रत युवा मंडल और मुनिसुव्रत महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा।

जितना अपनी ज़िंदगी में धर्म कर सकते हो उतना करो : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में पर्व पर्युषण के पाँचवें दिवस पर प्रवचन के दौरान जयवंत मुनिजी ने कहा कि मन के अंदर हम जो भी क्रिया करते हैं, उसका आधार हमारी आदतें होती हैं। इंसान वही करता है जिसकी उसे आदत पड़ चुकी है, लेकिन यह सोचने की ज़रूरत है कि वह कार्य सही भी है या नहीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब हम खाली होते हैं तो हमारा मन स्वतः टीवी या मोबाइल की ओर चला जाता है क्योंकि वह हमारी आदत बन चुकी है, लेकिन उसी समय हम धर्म और ध्यान में भी लग सकते हैं। सही–गलत पर विचार किए बिना केवल आदत के कारण कार्य नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर हमारी सोच और आदत सकारात्मक होगी तो जीवन भी सही दिशा में चलेगा, लेकिन नकारात्मक आदतें जीवन को भटका देती हैं। अच्छी आदत

डालने में समय लगता है जबकि बुरी आदत अपने आप आ जाती है। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए अच्छे कार्यों में लगाना चाहिए।

प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए डॉ. समकित मुनिजी ने कहा कि जितना जीवन में धर्म कर सकते हो, उतना करना चाहिए, पीछे नहीं हटना चाहिए। जैसे ईंटों का ढेर अकेले उठाने में समय लगता है लेकिन साथ मिलकर वही कार्य कुछ मिनटों में पूरा हो जाता है। इसी तरह धर्म में भी साथ देने से साधना सरल हो जाती है। उन्होंने बताया कि गज सुकुमार को मोक्ष प्राप्त हुआ और जब श्रीकृष्ण भगवान नेमिनाथ के पास पहुँचे तो उन्हें बताया गया कि गजसुकुमार ने जिस कार्य के लिए दीक्षा ली थी, वह सिद्ध कर दिया। मुनिजी ने कहा कि हनुमानजी की सोच केवल यह थी कि मैं श्रीराम के लिए क्या कर सकता हूँ। जो काम स्वयं भगवान राम नहीं कर पाए, वह हनुमानजी ने कर दिखाया। हमारी सोच भी ऐसी होनी चाहिए कि हम जिनशासन के लिए क्या कर सकते हैं।

कार्यक्रम में जैन डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा तपस्याओं का परीक्षण भी किया गया, जिसमें तपस्या से पहले और बाद में शरीर की प्रतिक्रिया का अध्ययन किया गया। इस टीम में अनेक डॉक्टर जुड़े हैं, जिनमें डॉ. जिनेंद्र गोटी, डॉ. प्रवीण जैन, डॉ. पदम कोठारी, डॉ. दिव्या कोठारी, डॉ. रोशन रांका, डॉ. हुकुम भंसाली, डॉ. विग्नेश भंसाली, डॉ. पंकज चौपड़ा, डॉ. सुभाष जैन, डॉ. प्रज्ञा पटवा सहित अन्य शामिल रहे।

अध्यक्षा चंद्रप्रकाश जी तालेड़ा ने बताया कि सोमवार को चक्षु इन्द्रिय संयम दिवस मनाया जाएगा। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ने तमिलनाडु में कानूनी क्लीनिक का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को यहां तीन कानूनी सेवा क्लिनिक का उद्घाटन किया और संबंधित पक्षों से सामूहिक रूप से ऐसे नए संसाधनों का लाभ उठाने की अपील की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने लोगों से चौबीसों घंटे उपलब्ध इन सुविधाओं का लाभ उठाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ये क्लीनिक हमारे इस संकल्प का प्रमाण हैं कि कानूनी सहायता कभी भी पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए – चाहे समय, परिस्थिति या व्यक्ति कोई भी हो। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि ये क्लीनिक आम जनता के लिए पहला पड़ाव बनेंगे और 'वन–स्टॉप शॉप' की तरह काम करेंगे, जहां पीड़ित व्यक्ति अपनी समस्याओं के बारे में सलाह ले सकेगा, अपने अधिकारों और हकों के बारे में जान सकेगा तथा विधिक कार्यवाही के लिए कानूनी सलाहकारों की सेवाएं ले सकेगा।

उन्होंने कहा कि ये क्लीनिक सिर्फ़ कानूनी कार्यालय नहीं हैं, बल्कि ये ऐसे सेतु हैं जो कानून और जनता के बीच, अधिकारों और उपचारों के बीच की खाई को पाटते हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, मैं सभी संबंधित पक्षों – अधिवक्ताओं, कानून प्रवर्तन अधिकारियों, नागरिक संस्थाओं, शिक्षकों और लोक सेवकों से आग्रह करता हूं कि वे विधिक सेवा संस्थानों के साथ हर संभव तरीके से सक्रिय रूप से सहयोग और समर्थन करें। हमें अपने सबसे कमजोर पड़ोसियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने, समुदायों और संस्थानों के बीच विश्वास का निर्माण करने और इस विचार को सुदृढ़ करने के लिए इन नए संसाधनों का सामूहिक रूप से लाभ उठाना चाहिए कि न्याय कोई अमूर्त आदर्श नहीं, बल्कि एक जीवंत वास्तविकता है, जो प्रत्येक नागरिक के लिए सुलभ है।

उन्होंने कहा, ''जनता से मेरा कहना है: क्लीनिक आपके हैं। उनका इस्तेमाल करें। जरूरत पड़ने पर मदद लें। सलाह लें, सवाल पूछें, अपनी समस्याएं और चिंताएं सामने रखें।''

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने धर्मस्थल विवाद को 'हिंदू आस्था पर प्रायोजित हमला' बताया

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को धर्मस्थल विवाद को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और इसे हिंदू आस्था पर प्रायोजित हमला बताया तथा राज्य पर लापरवाह शासन का आरोप लगाया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कड़े शब्दों में लिखे गए एक पोस्ट में जोशी ने आरोप लगाया कि प्रसिद्ध धर्मस्थल मंदिर के आसपास की घटना को जानबूझकर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया गया, ताकि मंदिर की छवि खराब हो सके।

उन्होंने लिखा, धर्मस्थल मामला हिंदू आस्था पर एक प्रायोजित हमले के रूप में सामने आया है। कांग्रेस सरकार इसमें कूद पड़ी और एक प्राचीन हिंदू मंदिर को बदनाम करने के लिए अपने टूलकिट का पूरा इस्तेमाल किया।

जोशी ने राज्य सरकार की आलोचना की कि वह सार्वजनिक चर्चा में हावी होने से पहले आरोपों की पुष्टि करने में विफल रही। मंत्री ने कहा, हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस सरकार ने बिना किसी बुनियादी समानांतर पृष्ठभूमि जांच के इसे कैसे बढ़ने दिया। एक नकाबपोश व्यक्ति से लेकर पूरी तरह से वित्त पोषित यूट्यूबर्स तक असत्यापित दावों को जगह दी गई, जिससे एक पवित्र स्थान 15 दिनों के मीडिया सर्कस में बदल गया।

उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि उसने विवाद बढ़ने के बाद ही कार्रवाई की। उन्होंने कहा, अब, जब नुकसान हो चुका है, तो वे दोषियों को गिरफ्तार कर रहे हैं, मानो उन्हें कोई चिंता हो। यह एक गंभीर भूल है, जिससे श्रद्धालुओं को ठेस पहुंची है और विश्वास कम हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने इस मुद्दे की गहन जांच पर भी जोर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह प्रकरण किसी के इशारे पर रचा गया था। जोशी ने कहा, निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कर्नाटक जवाब का हकदार है। इस विवाद की शुरुआत तब हुई, जब शिकायतकर्ता सीएन चिन्नैया ने दावा किया कि धर्मस्थल में महिलाओं के साथ यौन शोषण के बाद कई शव दफनाए गए हैं। इस मामले में स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की संलिप्तता की ओर इशारा किया गया। हालांकि, बाद में पुलिस ने शिकायतकर्ता को झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.